लखनऊ । वाराणसी । नई दिल्ली

05 नवम्बर 2026 गुरूवार
वर्ष : 20 अंक: 123
पृष्ठ : 8
वाराणसी
काशी संस्करण
मूल्यः 2.00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

Power Of Truth

हिन्दी दैनिक

www.facebook.com/lokhastakshep www.twitter.com/lokhastakshep /Lokhastakshep /Lokhastakshep

www.lokhastakshep.com



पूर्वांचल से सियासी शंखनाद, गोरखपुर में भाजपा का विशाल शक्ति प्रदर्शन

नितिन नवीन और सीएम योगी की अगुवाई में निकली लोकतंत्र बचाओ–अराजकता हटाओ पदयात्रा

संवाददाता, गोरखपुर। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने गोरखपुर में लोकतंत्र बचाओ–अराजकता हटाओ पदयात्रा के जरिए अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बुधवार को पहली बार गोरखपुर पहुंचे। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में अभियान का आगाज हुआ। पदयात्रा में गोरखपुर क्षेत्र के 12 जिलों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और समर्थकों के शामिल होने का दावा किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन का यह पहला गोरखपुर दौरा है। वह बुधवार दिल्ली से गोरखपुर एयरपोर्ट पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया।



इसके बाद उनका काफिला सर्किट हाउस पहुंचा। यहां से वह महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज में आयोजित जनसभा में शामिल हुए। रैली में बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक समुदाय के लोग भी हाथों में मोदी है–मोदी रहेगा लिखी तख्तियां लेकर पहुंचे। कार्यक्रम में निषाद पार्टी समेत सहयोगी दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं की भी भागीदारी रही। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी को आत्ममंथन करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि बैलेट पेपर से हुए एमएलसी चुनाव में कांग्रेस पूरे देश में 28 में से केवल एक सीट जीत पाई। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस 37 साल, तमिलनाडु में 59 साल, बिहार में 36 साल और गुजरात में 31 साल से सत्ता से बाहर है। पंकज चौधरी ने कहा कि यह अभियान देश के लोकतंत्र को बचाने, अराजकता को उखाड़ फेंकने और देश के खिलाफ हो रही साजिशों को बेनकाब करने के लिए है। विपक्षी दल चुनाव हारने पर ईवीएम और संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर उन्हें बदनाम करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने दिल्ली में युवाओं को कथित तौर पर भ्रमित कर प्रदर्शन कराने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदर्शन में कुछ लोगों ने रिजीम चेंज करने की बात कही थी, जबकि एक नेत्री ने बांग्लादेश से प्रभावित होकर आंदोलन में आने की बात कही थी। इस दौरान गोरखपुर से सांसद रविकिशन ने भी विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह पदयात्रा देशविरोधी ताकतों और टुकड़े–टुकड़े गैंग के खिलाफ है, जो भारत में दोबारा दंगे और मंदिरों में बम धमाके देखना चाहते हैं।

एससी का बड़ा फैसला : दो से अधिक बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानून अब प्रासंगिक नहीं

एजेंसी,नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि दो से अधिक बच्चे होने पर दंड देने वाले कानूनों की प्रासंगिकता खत्म हो गई है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि भारत में प्रजनन दर लगातार घट रही है। ऐसे में इन कानूनों का अब कोई औचित्य नहीं रह गया है। इनकी फिर से समीक्षा की जरूरत है। जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने महाराष्ट्र के काकोडा ग्राम पंचायत की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव की अयोग्यता को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की, जिन्हें तीसरा बच्चा होने के कारण चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित किया गया था। अपनी टिप्पणी में कोर्ट ने कहा, "पिछले दो दशकों में भारत की जनसांख्यिकीय स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। पिछले कुछ दशकों में आए जनसांख्यिकीय बदलावों के कारण जनसंख्या विस्फोट



का डर अब नहीं रहा। इसका प्रमाण यह है कि प्रजनन दर 3 से घटकर 1.9 पर आ गई है। इसलिए, दो से अधिक बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराने वाले कानून, मौजूदा हालात में शायद अब प्रासंगिक नहीं रह गए हैं। इसलिए, अदालत ने महाराष्ट्र के एक कानून के तहत पूर्व सरपंच मंगला भीमराव के खिलाफ चल रही कार्यवाही पर रोक लगा दी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने 2003 के जावेद बनाम हरियाणा सरकार मामले में दिए गए फैसले को आगे समीक्षा के बड़ी बेंच के पास भेज दिया। उस फैसले में तीन जजों की पीठ ने हरियाणा पंचायती राज अधिनियम, 1994 के उस प्रावधान को सही ठहराया था, जिसके तहत दो से अधिक जीवित बच्चे होने पर व्यक्ति पंचायत चुनाव नहीं लड़ सकता था।

श्रीनगर में दर्दनाक हादसा : बेमिना में भीषण आग से 80 अस्थायी शेल्टर जलकर खाक

एजेंसी,श्रीनगर । जम्मू–कश्मीर के श्रीनगर में आग लगने की वजह से कम से कम दो कबाड़ इकट्ठा करने वालों की मौत हो गई और करीब 80 अस्थायी शेल्टर जलकर खाक हो गए। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर के बेमिना के दुर्बल में सुबह–सुबह अस्थायी शेल्टर में लगी भीषण आग में दो कबाड़ इकट्ठा करने वालों की मौत हो गई। उन्होंने कहा, आग रात करीब 12.23 बजे लगी, जिसने तिरपाल और लकड़ी से बने करीब 80 अस्थायी शेल्टरों को अपनी चपेट में ले लिया। आग में एक खाली पोल्ट्री फार्म और एक टिपर को भी नुकसान हुआ है। अधिकारियों ने बताया, फायर स्टेशन जेवीसी और रावलपोरा से फायर टेंडर, साथ ही फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज हेडक्वार्टर बटमालू से अतिरिक्त मदद के लिए बुलाए गए, ताकि आग पर काबू पाया जा सके। चश्मदीदों ने बताया कि आग बुझाने के लिए फायर एंड इमरजेंसी



सर्विसेज को बुलाने से पहले ही आग पूरे इलाके में फैल चुकी थी। आग पर काबू पाने के बाद मलबे से दो लाशें मिलीं। मरने वाले दोनों लोग दिल्ली के रहने वाले थे। उनकी पहचान मोहम्मद नूर आलम (27) और अल अमीन (16) के तौर पर हुई। दोनों बेमिना के दुर्बल में स्क्रैप इकट्ठा करने का काम करते थे। अधिकारियों ने कहा, "एफएसएल की कार्रवाई पूरी होने के बाद दोनों शव स्थानीय पुलिस को सौंप दिए गए। आग लगने की वजह का अभी पता नहीं चला है। पुलिस ने इस घटना में केस दर्ज कर लिया है। इन दिनों घाटी में सूखे मौसम की वजह से आग लगने की घटनाएं ज्यादा होती हैं। अधिकारियों ने कहा है कि लगभग 80 से 95 प्रतिशत आग लगने की वजह इंसानी गतिविधियां होती हैं। बिना देखरेख के या ठीक से न बुझाए गए कैम्पफायर आग लगने का एक मुख्य कारण हैं।

अनिल अंबानी समूह पर ईडी की बड़ी कार्रवाई, 510 करोड़ की संपत्ति जब्त

एजेंसी, नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस अनिल अंबानी समूह के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने समूह से जुड़े दो निजी हवाई जहाजों सहित करीब 510 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। यह कार्रवाई रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड से जुड़े बैंक फ्रॉड मामलों की जांच के सिलसिले में की गई है। ईडी के मुताबिक, मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत अब तक समूह की कुल 23,100 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की जा चुकी हैं। अनिल अंबानी समूह की विभिन्न कंपनियों के खिलाफ दिल्ली सीबीआइ, दिल्ली और मुंबई की आर्थिक अपराध



शाखा में कई मामले दर्ज हैं। इन मामलों के आधार पर ईडी वित्तीय अनियमितताओं और कथित मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही है। एजेंसी का आरोप है कि समूह से जुड़े मामलों में बैंक और वित्तीय संस्थानों से प्राप्त धन के इस्तेमाल तथा संपत्तियों के हस्तांतरण की जांच की जा रही है। ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, ताजा कार्रवाई में रिलायंस होम फाइनेंस और रिलायंस कम्युनिकेशन से संबंधित संपत्तियों को जब्त किया गया है। इनमें रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड की 263 करोड़ रुपये और रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड की 247 करोड़ रुपये की संपत्तियां शामिल हैं। दोनों कंपनियों से संबंधित संपत्तियों का कुल मूल्य करीब 510 करोड़ रुपये बताया गया है। एजेंसी ने इन संपत्तियों को मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत अपने कब्जे में लिया है। जब्त संपत्तियों में महाराष्ट्र में स्थित छह जमीन, एक कार्यालय और बैंक खातों में जमा रकम शामिल है। इसके अलावा फिक्स्ड डिपाजिट और अन्य वित्तीय संपत्तियों को भी कार्रवाई के दायरे में रखा गया है। ईडी की कार्रवाई में समूह के दो निजी विमानों को भी जब्त किया गया है। इनमें डिसाल्ट कंपनी का फाल्कन 2000 और इम्ब्रायर कंपनी का लिगेसी 650 विमान शामिल है।

पहले प्रेमी संग मिलकर पति की गला घोंटकर की हत्या, फिर शव पर छोड़ा सांप, मृत्युदंड के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील



संवाददाता,मेरठ । मेरठ में पति की हत्या के मामले में मृत्युदंड सुनाए जाने के बाद महिला और उसके प्रेमी ने जिला अदालत के इस फैसले को इलाहाबाद हाई कोर्ट में चुनौती दी है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, मेरठ के अकबरपुर सादात गांव की रहने वाली रविता का उसी गांव के निवासी अमरदीप के साथ प्रेम संबंध था। जब उसके पति अमित कश्यप ने उनके रिश्ते का विरोध किया, तो दोनों ने मिलकर 12 अप्रैल 2025 की रात उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी थी। अभियोजन पक्ष ने बताया कि हत्या को सर्पदंश से हुई मौत दिखाने के लिए दोनों ने शव के ऊपर सांप छोड़ दिया था। पुलिस ने 16 अप्रैल 2025 को रविता और अमरदीप को गिरफ्तार कर लिया था। सुनवाई के बाद, मेरठ के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश जयवीर सिंह ने 16 अक्टूबर को इस मामले को दुर्लभ से दुर्लभतम श्रेणी का मानते हुए दोनों को दोषी करार दिया और मृत्युदंड सुनाया। हाई कोर्ट में दोनों का पक्ष रखने वाले अधिवक्ता आदेश कुमार ने बताया कि उनकी अपील स्वीकार कर ली गई है और इस पर पांच नवंबर को सुनवाई तय की गई है।

पटाखा रॉकेट बनकर रह गए राहुल गांधी : योगी

संवाददाता,गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तुलना उस पटाखा रॉकेट से की जो बार–बार लॉन्च किए जाने की कोशिशों के बावजूद उड़ान नहीं भर पाता और धुआं छोड़कर बुझ जाता है। मुख्यमंत्री ने उन्हें एक राष्ट्रीय राजनीतिक नेता के रूप में पेश करने के प्रयासों को लेकर कांग्रेस पर कटाक्ष किया। गोरखपुर में श्लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा के दौरान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की एक रैली को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस ने गांधी को राजनीतिक रूप से लॉन्च करने के कई प्रयास किए, लेकिन उन्हें एक सफल नेता के रूप में स्थापित करने में विफल रही। मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी को राजनीतिक रूप से लॉन्च किये जाने पर तंज कसते हुए कहा कि दीपावली पर कुछ रॉकेट ऐसे होते हैं जिनमें बत्ती लगाने के बाद लोग आसमान की ओर देखते रह जाते हैं।

दिल्ली एसआईआर में फॉर्म–6 पर विवाद पहुंचा सुप्रीम कोर्ट



एजेंसी,नयी दिल्ली । दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान पुराने मतदाताओं से फॉर्म–6 भरवाने को लेकर विवाद बढ़ गया है। मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है।

वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने बुधवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के समक्ष इस मुद्दे पर तत्काल सुनवाई की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग उन लोगों से भी फॉर्म–6 भरने को कह रहा है, जिनके नाम पहले मतदाता सूची में शामिल थे, लेकिन एसआईआर प्रक्रिया के दौरान हटा दिए गए।

फॉर्म–6 का इस्तेमाल सामान्य तौर पर पहली बार मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने या नए मतदाता के पंजीकरण के लिए किया जाता है। ऐसे में पुराने मतदाताओं से यह फॉर्म भरवाने को लेकर कानूनी और प्रक्रियागत सवाल खड़े हो रहे हैं। इससे पहले 28 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि पहले से मतदाता सूची में शामिल रहे और बाद में हटाए गए नागरिकों को नए मतदाता के तौर पर फॉर्म–6 भरने के लिए बाध्य करना चुनाव आयोग की गलती है। इस मामले में याचिकाकर्ता अंजलि भारद्वाज और अमृता जोहरी की ओर से प्रशांत भूषण, शेरिल डिसूजा और नेहा राठी ने पक्ष रखा था। याचिकाकर्ताओं का आरोप था कि चुनाव आयोग पुराने मतदाताओं को नए आवेदक के रूप में आवेदन करने के लिए कह रहा है। उनका कहना था कि फॉर्म–6 में खुद को नया मतदाता बताने संबंधी घोषणा गलत साबित होने पर संबंधित व्यक्ति को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।



सपा जिलाध्यक्ष बनने के बाद जयचन्द्र विमल का सफीपुर विधानसभा क्षेत्र में आगमन पर हुआ भव्य स्वागत

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। समाजवादी पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष जयचन्द्र विमल का जिलाध्यक्ष बनने के बाद बुधवार, 4 नवंबर 2026 को सफीपुर विधानसभा क्षेत्र में प्रथम आगमन हुआ। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष आफताब आलम के नेतृत्व में आयोजित स्वागत एवं भ्रमण कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों और प्रमुख स्थानों पर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों ने फूल–मालाओं से उनका जोरदार स्वागत किया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिलाध्यक्ष जयचन्द्र विमल ने सुबह 11 बजे खुमान खेड़ा से अपने भ्रमण की शुरुआत की। इसके बाद भवानी



खेड़ा, चकलवंशी, भिनकीपुर, प्रधान ढाबा, जमाल्दीपुर, सफीपुर नहरिया, तिवारी स्वीट्स, बरदाही बाजार सफीपुर, मयई शांति मैरिज लॉन, मियागंज तिराहा, मियागंज चौराहा तथा रसूलाबाद मुंशीगंज तिराहा होते हुए रसूलाबाद रामा पेट्रोल पंप सफीपुर मोड़ तक पहुंचे। सभी स्थानों पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका फूल–मालाओं से स्वागत किया और अपनी खुशी जाहिर की।

इस दौरान जिलाध्यक्ष जयचन्द्र विमल ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की मेहनत और एकजुटता पर निर्भर करती है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आपसी तालमेल के साथ संगठन को मजबूत बनाने तथा समाजवादी पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को वर्ष 2027 में पुनः उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर वीरेन्द्र शुक्ला, सीएल यादव, उमाशंकर यादव, मोहम्मद इस्माइल, राजेश यादव उर्फ साधु, विनोद पाल, मंजीत यादव, प्रशांत कटियार, राकेश कश्यप, उमालाल यादव, अब्दुल आलम, राजेश मिश्रा, यदुवीर यादव, छोटे लाल भारती, अशोक सिंह यादव, अवधेश सिंह, अशोक सिंह चंदेल एवं राममिलन यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।

ब्लॉक में फर्म के पेमेंट में प्रधानों का खेल अधूरे काम पर सचिवों पर पेमेंट का दबाव

लोक हस्तक्षेप संवाद दाता

खागा फतेहपुर। खागा विकास खंड में ग्राम सभाओं में कराए जा रहे कार्यों में फर्म के पेमेंट को लेकर बड़ा खेल सामने आया है। आरोप है कि कई ग्राम प्रधान बिना काम पूरा किए ही सचिवों पर जबरन पेमेंट करने का दबाव बना रहे हैं। अधूरा काम होने के बावजूद बिल लगाकर पैसा निकालने की कोशिश की जा रही है, जिससे सचिवों में भारी नाराजगी है।

नाम न बताने की शर्त पर एक सचिव ने बताया कि जब तक काम पूरा नहीं होगा, तब तक हम एक भी पेमेंट पास नहीं करेंगे। चाहे प्रधान कहीं से भी सिफारिश करवा लें, अधूरे काम पर किसी भी प्रकार का कोई भुगतान नहीं होगा।

सबसे बड़ा खेल फर्म बदलने को लेकर हो रहा है। प्रधान सामान किसी दूसरे फर्म से लाते हैं, लेकिन सचिव को इसकी जानकारी नहीं देते। जब पेमेंट की बारी आती है तो किसी दूसरे फर्म का बिल लाकर उसी पर पेमेंट करवाने का दबाव बनाया जाता है। इससे सचिव बेहद परेशान हैं। सचिवों का कहना है कि नियमानुसार प्रधान को चाहिए कि वह सचिव को विश्वास में लेकर बताए कि किस फर्म से सामान लाया जा रहा है। जिस फर्म से सामान जा रहा है, उसे भी सचिव को बताना चाहिए ताकि सही जानकारी रहे और पेमेंट उसी फर्म को हो सके। लेकिन प्रधान गुपचुप तरीके से दूसरी फर्म का बिल लगाकर पेमेंट कराना चाहते हैं। इस मामले को लेकर ब्लॉक में हड़कंप मचा हुआ है। सचिवों ने साफ कर दिया है कि अब मनमानी नहीं चलेगी। अगर प्रधानों ने दबाव बनाना बंद नहीं किया तो इसकी शिकायत उच्चाधिकारियों से की जाएगी। ग्रामीणों का भी कहना है कि अगर पेमेंट से पहले काम की जांच हो जाए तो भ्रष्टाचार पर अपने आप रोक लग जाएगी।,

खागा में सिक्कों की कालाबाजारी, 20–25: कमीशन पर कानपुर भेजे जा रहे सिक्के

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

खागा फतेहपुर। खागा तहसील में एक, दो, पांच और दस रुपये के सिक्कों की खुलेआम कालाबाजारी हो रही है। दुकानदार और व्यापारी आम लोगों से 20 से 25 प्रतिशत कमीशन काटकर सिक्के खरीद रहे हैं और फिर उन्हें कानपुर भेजकर मोटा मुनाफा कमा रहे हैं। एक व्यापारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि यह धंधा पिछले दो–तीन महीनों से चल रहा है। गरीब मजदूर, किसान और छोटे दुकानदार जब बाजार में सिक्के लेकर



आते हैं तो दुकानदार सिक्के लेने से मना कर देते हैं। मजबूरी में लोगों को 100 रुपये के सिक्के के बदले 75–80 रुपये लेने पड़ रहे हैं। बताया जा रहा है कि खागा से इकट्ठा किए गए सिक्कों को बोरे में भरकर कानपुर के बड़े व्यापारियों को बेचा जा रहा है, जहां इनकी भारी मांग है। वहीं इस मामले में कोतवाली प्रभारी संजय पांडेय ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है, शिकायत मिलने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार सभी सिक्के वैध हैं और लेने से इंकार करना दंडनीय अपराध है। स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी से इस कालाबाजारी पर रोक लगाने की मांग की है।

मेडिकल कॉलेज में नवजात के शव पर अस्पतालों की जांच मांग

बांदा,संवाददाता। जिले के बुंदेलखंड इंसाफ सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ए. एस. नोमानी ने बांदा की स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से दिया गया। इसमें बबेरू सीएचसी, रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज और एक जनप्रतिनिधि पर दर्ज एफआईआर का जिक्र है। नोमानी ने आरोप लगाया कि बबेरू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रात की ड्यूटी के दौरान डॉक्टर और सुरक्षा गार्ड अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभाते।

मिशन शक्ति 6.0 के अंतर्गत छात्र–छात्राओं को साइबर अपराध महिला सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति किया गया जागरूक

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव के कुशल निर्देशन एवं शासन द्वारा निर्गत दिशा–निर्देशों के क्रम में मिशन शक्ति अभियान फेज–6.0 के अंतर्गत थाना कोतवाली सदर क्षेत्र स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, एबी नगर में साइबर जागरूकता, मिशन शक्ति एवं यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मिशन शक्ति प्रभारी महिला निरीक्षक श्रीमती संतोष सिंह एवं महिला उपनिरीक्षक श्रीमती मिथिलेश वर्मा, थाना कोतवाली सदर की मिशन शक्ति टीम से पिंक बूथ प्रभारी महिला उपनिरीक्षक श्रीमती रेखा देवी, महिला आरक्षी साधना पाल, महिला आरक्षी करिश्मा यादव एवं आरक्षी मानवेंद्र सिंह तथा महिला थाना की मिशन शक्ति टीम से महिला आरक्षी आकांक्षा, महिला आरक्षी पूजा चौधरी एवं महिला आरक्षी प्रांशी सहित साइबर टीम से मुख्य आरक्षी अजय, आरक्षी शमसुद्दीन एवं आरक्षी विपिन तथा परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. आशीष श्रीवास्तव द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम के दौरान



उपस्थित छात्र–छात्राओं को साइबर अपराधों के विभिन्न स्वरूपों, उनसे बचाव के उपायों, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन धोखाधड़ी एवं साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही यातायात नियमों के पालन, सड़क सुरक्षा एवं सुरक्षित आवागमन के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के विषय में विस्तार से जानकारी देते हुए छात्र–छात्राओं को कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न, गुड टच–बैड टच, पॉक्सो अधिनियम तथा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा से संबंधित कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त शासन द्वारा संचालित विभिन्न महिला कल्याणकारी योजनाओं एवं महिला सुरक्षा से संबंधित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए किसी भी प्रकार की समस्या अथवा उत्पीड़न की स्थिति में तत्काल पुलिस एवं संबंधित हेल्पलाइन की सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर मिशन शक्ति टीम द्वारा जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित कर छात्र–छात्राओं को हेल्पलाइन नंबरों एवं शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशीष श्रीवास्तव, प्रभारी परिवार परामर्श केंद्र द्वारा किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री चंद्रेश अग्निहोत्री एवं अन्य अध्यापकों द्वारा पुलिस टीम के इस जागरूकता कार्यक्रम की सराहना की गई तथा अपना सकारात्मक फीडबैक भी प्रदान किया गया।

2027 में उन्नाव की सभी छह सीटें बड़े अंतर से जीतेगी भाजपा : अवधेश द्विवेदी

उन्नाव। भारतीय जनता पार्टी अवध क्षेत्र के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी, क्षेत्रीय महामंत्री अवधेश कटियार और राजीव मिश्रा के प्रथम बार उन्नाव आगमन पर कार्यकर्ताओं ने ऐतिहासिक स्वागत किया। लखनऊ–कानपुर एलिवेटेड एक्सप्रेसवे से उतरते ही कोशरी और फिर जिला कार्यालय के मुख्य द्वार पर जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी के नेतृत्व में ढोल–नगाड़ों और फूल–मालाओं के साथ अतिथियों का अभिनंदन किया गया। इसके बाद जिला कार्यालय पर एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक संपन्न हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि व क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी ने कहा कि कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से आज भाजपा शून्य से शिखर पर पहुंची है। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों का लक्ष्य निर्धारित करते हुए दावा किया कि वर्ष 2027 में भाजपा उन्नाव की छह की छह विधानसभा सीटें ऐतिहासिक अंतर से जीतेगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश नेतृत्व द्वारा सौंपे गए सभी 45 संगठनिक कार्यों को बूथ स्तर तक पूरा किया जाएगा। दीपावली के तुरंत बाद सभी मोर्चे पूरी ऊर्जा के



साथ जनसंपर्क, मतदाता सूची पुनरीक्षण और संगठन विस्तार में जुटेंगे।

क्षेत्रीय महामंत्री अवधेश कटियार ने कहा कि बीते चुनावों में उन्नाव विपक्ष से पूरी तरह मुक्त रहा है और हमें आगे भी इसे भाजपा मय बनाए रखना है। क्षेत्रीय महामंत्री राजीव मिश्रा ने कार्यकर्ताओं से इस प्रचंड विजय के लक्ष्य के लिए अभी से जुटने का आह्वान किया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने क्षेत्रीय नेतृत्व को आश्वस्त किया कि जिले का प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ स्तर तक सांगठनिक लक्ष्यों को पूर्ण करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बैठक के उपरांत सभी वरिष्ठ नेताओं ने भगवंत नगर विधानसभा के ग्राम गौरी में चल रही भव्य श्री शिवदीप शिव महापुराण कथाश में शिरकत की और प्रख्यात कथा व्यास पंडित प्रदीप मिश्रा से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर विधायक पंकज गुप्ता के प्रतिनिधि प्रखर गुप्ता, जिला महामंत्री प्रवीण सिंह नूतन, रजनीश वर्मा, मनीष जायसवाल सहित भारी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सम्मान समारोह भजन संध्या और सहभोज का आयोजन

बांदा,संवाददाता। केंद्रीय पूजा महोत्सव समिति ने मंडपम मैरिज हॉल में सम्मान समारोह, भजन संध्या और सहभोज का आयोजन किया। कार्यक्रम में सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक कामों में योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। समिति के पदाधिकारी, सदस्य और नागरिक भी मौजूद रहे। समिति के संरक्षक को सामाजिक सेवा में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान बांदा सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी, पूर्व सदर विधायक राजकुमार शिवहरे, चेयरमैन प्रतिनिधि अंकित बासू गुप्ता और समिति अध्यक्ष अमित सेठ 'भोलू' ने दिया। सम्मान मिलने के बाद संरक्षक ने कहा कि इससे समाज के प्रति जिम्मेदारियां निष्ठा से निभाने की प्रेरणा मिली है।

दीपावली पर 24 घंटे अलर्ट रहेंगी इमरजेंसी सेवाएं, सीएमओ ने दिए निर्देश

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखीमपुर खीरी। दीपावली और धनतेरस के त्योहारों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. संतोष गुप्ता ने जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) में 24 घंटे इमरजेंसी सेवाएं सक्रिय रखने के कड़े निर्देश जारी किए हैं। सीएमओ ने स्पष्ट किया है कि त्योहार के दौरान किसी भी आपात स्थिति या पटाखों से झुलसने की घटनाओं से निपटने के लिए अस्पतालों में ऑक्सीजन, बर्न केयर से जुड़ी जरूरी दवाएं और आवश्यक उपकरण अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहेंगे।



उन्होंने सभी प्रभारियों को निर्देश दिया है कि दवाओं की उपलब्धता में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इसके साथ ही, मरीजों को त्वरित चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए जिले में संचालित 108 और 102 एंबुलेंस सेवाओं को भी हाई अलर्ट पर रखा गया है। त्योहारों के मद्देनजर डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की राउंड–द–क्लॉक विशेष ड्यूटी लगाई गई है ताकि रात के समय भी आने वाले मरीजों को तत्काल इलाज मिल सके। सीएमओ ने आम जनता से भी अपील की है कि वे सतर्कता के साथ त्योहार मनाएं और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल या एंबुलेंस सेवा से संपर्क करें।

जिलाधिकारी ने धान, ज्वार और बाजरा खरीद की केंद्रवार समीक्षा की

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन में किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कृषि उपज की खरीद सुनिश्चित कराने को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। बुधवार को जिलाधिकारी समीर ने कलेक्ट्रेट सभागार में धान, ज्वार और बाजरा खरीद की केंद्रवार समीक्षा की। इस दौरान धान खरीद की प्रगति शून्य मिलने पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताते हुए संबंधित क्रय केंद्र प्रभारियों से स्पष्टीकरण तलब किया। उन्होंने सभी क्रय केंद्रों को तत्काल सक्रिय कर किसानों से निर्धारित समर्थन मूल्य पर खरीद शुरू कराने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में खाद्य विपणन अधिकारी रुचिता ओमर ने बताया कि शासन ने धान कॉमन का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2441 रुपये और ग्रेड–ए का 2461 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया



है। जनपद में धान खरीद के लिए 800 मीट्रिक टन का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए उरई, जालौन और माधौगढ़ में क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं, लेकिन समीक्षा के समय तक किसी भी केंद्र पर खरीद शुरू नहीं हुई थी।

इस पर डीएम ने संबंधित प्रभारियों से जवाब मांगते हुए तत्काल खरीद शुरू कराने के निर्देश दिए। वहीं ज्वार खरीद के लिए 14,500 मीट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके सापेक्ष जिले में 12 क्रय केंद्र बनाए गए हैं, लेकिन अब तक महज 849 कुंतल ज्वार की खरीद हो सकी है। छह केंद्रों पर अभी तक खरीद शुरू नहीं हुई है। शासन ने ज्वार हाइब्रिड का समर्थन मूल्य 4023 रुपये और मालदण्डी का 4073 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया है। इसी तरह बाजरा खरीद के लिए 3000 मीट्रिक टन का लक्ष्य रखा गया है। जिले में 12 क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं, लेकिन अब तक केवल 32.50 कुंतल बाजरे की खरीद हुई है। बाजरे का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2900 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित है। धीमी खरीद पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए सभी केंद्रों को पूरी क्षमता से संचालित करने और खरीद में तेजी लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना शासन की प्राथमिकता है।

शादी का झांसा देकर संबंध बनाए,सिपाही पर 10 साल तक शोषण का आरोप

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन में एक पुलिसकर्मी पर शादी का झांसा देकर युवती का करीब 10 साल तक शारीरिक शोषण करने का आरोप लगा है। आरोप है कि शादी का भरोसा देकर सिपाही लगातार उसके साथ संबंध बनाता रहा। इस दौरान कई बार गर्भवती होने पर उसका गर्भपात भी कराया गया। अब सिपाही की नौकरी मिलने के बाद शादी करने से इनकार कर रहा है। पीड़िता ने एसपी को शिकायती पत्र देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उसका आरोप है कि सिपाही अब दूसरी जगह शादी करने की तैयारी कर रहा है। विरोध करने पर पुलिस में होने का रौब दिखाकर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दे रहा है। पीड़िता के मुताबिक, साल 2015 में जब मनीष कुमार ने पहली बार उसके साथ संबंध बनाए, तब उसकी उम्र महज 15 साल थी। वह कक्षा 11 में पढ़ती थी। आरोपी 2015 पीड़िता के संपर्क में आया था। वह उसे स्कूल से होटल ले गया और परिवार को सहारा देने के साथ शादी करने का भरोसा दिया। आरोप है कि इसके बाद उसने उसकी मर्जी के खिलाफ शारीरिक संबंध बनाए। जब भी पीड़िता बच्चा पैदा करने की बात कहती, आरोपी शादी नहीं होने का हवाला देकर उसे रोक देता था। कई बार गर्भवती होने पर बाहर ले जाकर गर्भपात कराने का भी आरोप लगाया है। वर्तमान में वह सीतापुर में रामपुर कला थाने में सिपाही के पद पर तैनात है। पीड़िता का कहना है कि पिछले तीन–चार साल से आरोपी पुलिस भर्ती की तैयारी और नौकरी मिलने के



बाद धूमधाम से बारात लाकर शादी करने का भरोसा देता रहा। बाद में उसकी सीतापुर में पुलिस ट्रेनिंग हुई। आरोप है कि 14 मार्च 2026 को वह एसआई की परीक्षा देने के बहाने छुट्टी लेकर आया और उसे अपने घर ले गया। वहां पूरे दिन उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता के मुताबिक, सामाजिक बदनामी के डर से उसने अपने परिवार के साथ आरोपी और उसके परिजनों से जल्द शादी करने की बात कही। इस पर उन्होंने मकान बनने के बाद शादी करने की बात कहकर टाल दिया। इसी बीच उसे पता चला कि आरोपी के परिजन दूसरी जगह उसका रिश्ता तलाश रहे हैं। फोन पर बात करने पर आरोपी ने कथित तौर पर कहा कि उसकी शादी में 20 लाख रुपये मिल रहे हैं। पीड़िता का दावा है कि वह पहले भी अपनी पैथोलॉजी लैब की कमाई से उसकी आर्थिक मदद कर चुकी है और आगे भी 20 लाख रुपये देने को तैयार थी, लेकिन आरोपी शादी के लिए राजी नहीं हुआ। पीड़िता ने आरोपी और उसके परिजनों पर गाली–गलौज करने और शिकायत करने पर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाया है। उसने जान–माल का खतरा बताते हुए निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता ने बताया कि उसकी मां का निधन हो चुका है और बुजुर्ग पिता मजदूरी करके परिवार का खर्च उठाते हैं। वह खुद पढ़ाई पूरी करने के बाद पैथोलॉजी लैब चलाकर परिवार की मदद कर रही है। एसपी सुरेश चंद्र रावत ने मामले की जांच महिला थानाध्यक्ष को सौंपी है। एसपी सुरेश चंद्र रावत ने मामले की जांच महिला थानाध्यक्ष को सौंपी है। उन्होंने जांच के आधार पर सच्चाई सामने लाने के निर्देश दिए हैं।

डीएम ने धान क्रय केंद्रों का निरीक्षण किया किसानों से केंद्रों पर धान बेचने की अपील

अमेठी,संवाददाता। डीएम शशांक चौधरी ने बुधवार दोपहर करीब एक बजे धान क्रय केंद्रों और साधन सहकारी समितियों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने धान खरीद और खाद की उपलब्धता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने अधिकारियों से किसानों के साथ समन्वय कर ज्यादा धान खरीदने को कहा। उन्होंने समितियों पर यूरिया और डीएपी का पारदर्शी तरीके से वितरण करने के निर्देश दिए। डीएम ने किसानों से बातचीत कर धान खरीद में आ रही समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने केंद्र प्रभारियों से कहा कि किसानों को धान बेचने में परेशानी न हो, तौल पारदर्शी हो और भुगतान समय पर किया जाए। उन्होंने केंद्रों पर बोरे, कांटे और नमी मापक यंत्र समेत सभी जरूरी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने को कहा। साथ ही खरीद प्रक्रिया में लापरवाही न करने के निर्देश दिए। जिले में 115 धान क्रय केंद्र चल रहे हैं। डीएम ने किसानों से नजदीकी केंद्र पर धान बेचने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिले में खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और किसान अपनी जोत के अनुसार नजदीकी समिति से खाद ले सकते हैं। डीएम ने साधन सहकारी समितियों पर खाद वितरण की व्यवस्था भी देखी। उन्होंने कहा कि यूरिया और डीएपी किसानों को उनकी जोत के अनुसार दिया जाए और कालाबाजारी या जमाखोरी की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। डीएम ने अधिकारियों से कहा कि धान खरीद और खाद वितरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सपा कार्यकर्ताओं ने एमएलसी का स्वागत किया

आगरा,संवाददाता। समाजवादी पार्टी फतेहाबाद के कार्यकर्ताओं ने वरिष्ठ नेता डॉ. बच्चू सिंह निषाद के नेतृत्व में आगरा में एमएलसी डॉ. आकाश अग्रवाल के आवास पर उनका स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूल–मालाएं पहनाईं। स्वागत के दौरान डॉ. आकाश अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं से पार्टी की नीतियों और विचारधारा लोगों तक पहुंचाने को कहा। उन्होंने सभी से एकजुट होकर 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी को मजबूत करने में कार्यकर्ताओं की भूमिका अहम है। समाजवादी पार्टी बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर वाहिनी के प्रदेश सचिव नीरज चक ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की जान हैं। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर मेहनत करेंगे तो 2027 में उत्तर प्रदेश में फिर समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी।

काशी में संस्कृति संसद का शंखनाद : संतों ने थामी Gen Z की कमान, सनातन मूल्यों से जुड़ेंगे युवा

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
वाराणसी।

धार्मिक और सांस्कृतिक नगरी काशी के सिगरा स्थित रुद्राक्ष इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में तीन दिवसीय भव्य संस्कृति संसद–2026 का आयोजन किया जा रहा है। अखिल भारतीय संत समिति और गंगा महासभा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस वैचारिक महाकुंभ में देशभर के लगभग 3,000 साधु–संत, महामंडलेश्वर और देश के विभिन्न हिस्सों से आए 7,000 से अधिक युवा हिस्सा ले रहे हैं।

इस आयोजन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपना विशेष शुभकामना संदेश भेजा है।

'Gen' कॉन्क्लेव का आकर्षण का केंद्र

इस बार की संस्कृति संसद में सबसे अनूठा सत्र 'Gen' कॉन्क्लेव रहा। आधुनिकता, सोशल मीडिया और तकनीक के इस दौर में भटक रही युवा पीढ़ी को भारतीय ज्ञान परंपरा और सनातन जीवन मूल्यों से जोड़ना इस सत्र का मुख्य उद्देश्य है। खुले मंच से युवाओं ने संतों के समक्ष अपनी शंकाएं, मानसिक तनाव और आधुनिक जीवनशैली की चुनौतियां रखीं, जिस पर संतों ने बेहद सरल और व्यावहारिक भाषा में उनका मार्गदर्शन किया। संतों ने आह्वान किया कि युवा अपनी जड़ों और संस्कृति को भूलकर पश्चिमी अंधानुकरण से बचें।

गो–संरक्षण और आंतरिक सुधारों पर संतों का मंथन

मंच से सनातन धर्म के संरक्षण और आंतरिक सुधारों को लेकर भी गंभीर चर्चा हुई। ज्योतिषपीठाधीश्वर स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती और अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्रपुरी महाराज ने गोमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने और गो–संरक्षण के लिए देश में और कड़ा कानून बनाने की मांग उठाई। वहीं, सुमेरु पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानंद सरस्वती ने कथावाचकों को मर्यादा में रहने की नसीहत देते हुए कहा कि किसी को भी देवी–देवताओं पर अनर्गल या अमर्यादित टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

वैचारिक सत्रों के साथ–साथ रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर परिसर कला और अध्यात्म के रंगों में डूबा नजर आया। शाम को देश के ख्यातिलब्ध कलाकारों द्वारा शास्त्रीय संगीत और लोक कलाओं की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। इसके अलावा परिसर में लगाई गई राष्ट्रीय चित्रकला और फोटोग्राफी प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र बनी रही, जिसमें काशी की विरासत को बखूबी उकेरा गया है। 5 नवंबर को इस तीन दिवसीय संसद का समापन होगा, जिसके बाद यहां पारित प्रस्तावों को केंद्र व राज्य सरकारों को भेजा जाएगा।

इंपर की टक्कर से छात्रा की मौत

आगरा,संवाददाता। सदर थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह गिट्टी से लदे उंपर की टक्कर से स्कूटी सवार कक्षा 9 की छात्रा रिया की मौत हो गई। वह कोचिंग जा रही थी। हादसे के बाद उंपर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 8 बजे मधुनगर में आरएमओ चौराहे के पास हुआ। स्नेहला जाट निवासी उमेश की बेटी रिया रोज की तरह स्कूटी से कोचिंग जा रही थी। तभी पीछे से आए उंपर ने उसकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद रिया स्कूटी समेत उंपर के अगले पहिए के नीचे फंस गई। राहगीरों और पुलिस ने करीब आधे घंटे की कोशिश के बाद उसे बाहर निकाला।

काशी में श्रद्धा और संकल्प के साथ मनाई गई गंगा को राष्ट्रीय नदी घोषित करने की वर्षगांठ

सामने घाट पर 51 लीटर दूध से हुआ माँ गंगा का दुग्धाभिषेक, स्वच्छता की ली शपथ

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
वाराणसी। गंगा नदी को भारत की राष्ट्रीय नदीश घोषित किए जाने की 18वीं वर्षगांठ के अवसर पर बुधवार को धर्मनगरी काशी में विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक दिन को यादगार बनाने के लिए सामने घाट पर नमामि गंगे और स्थानीय सामाजिक संस्थाओं के संयोजन में माँ गंगा का 51 लीटर दूध से भव्य दुग्धाभिषेक किया गया। सुबह से ही घाटों पर उत्सव जैसा माहौल रहा। वैदिक ब्राह्मणों के दल ने शंखनाद और डमरू दल की गूंज के बीच मंत्रोच्चार शुरू किया। इसके बाद उपस्थित पर्यावरणविदों, गंगा भक्तों और नागरिकों ने कतारबद्ध होकर वैदिक रीति–रिवाज से माँ गंगा की आरती उतारी और दूध अर्पित कर विश्व कल्याण की कामना की।

इस अवसर पर वक्ताओं ने 4 नवंबर 2008 के उस ऐतिहासिक दिन को याद किया जब तत्कालीन केंद्र सरकार ने गंगा के अद्वितीय सांस्कृतिक और भौगोलिक महत्व को देखते हुए इसे राष्ट्रीय नदी का दर्जा दिया था। कार्यक्रम के अंत में घाट पर मौजूद सभी लोगों ने गंगा को निर्मल और अविरल बनाए रखने का सामूहिक संकल्प लिया। नागरिकों ने शपथ ली कि वे नदी में प्लास्टिक, पूजा सामग्री या किसी भी प्रकार का कचरा विसर्जित नहीं करेंगे और काशी आने वाले पर्यटकों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगे।

लोकतंत्र और संविधान की हत्या के इतिहास से रंगे हैं कांग्रेस के हाथ : शर्मा

लखनऊ,संवाददाता। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने गोरखपुर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा के अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के हाथ भारतीय लोकतंत्र और संविधान की हत्या के खून से रंगे हैं। आज जो कांग्रेस और उसके सहयोगी दल लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा की बातें कर रहे हैं, उन्हें अपने अतीत में झांकना चाहिए। देश का लोकतंत्र सबसे अधिक कांग्रेस के शासनकाल में कुचला गया है। श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी सहित विपक्षी दल एक बार फिर विदेशी इशारों, विदेशी सहारे और विदेशी फंडिंग के माध्यम से देश में अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन देश और प्रदेश की जागरूक जनता तथा भाजपा के कार्यकर्ता उनकी इन कोशिशों को किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने देंगे। जनसभा में हजारों की संख्या में उपस्थित क्षेत्रवासियों का उत्साह और समर्थन इस बात का प्रमाण है कि जनता देशविरोधी ताकतों और अराजकता फैलाने वाली राजनीति को पूरी ताकत से पराजित करेगी।उन्होंने कांग्रेस के इतिहास की याद दिलाते हुए कहा कि जब इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने तत्कालीन प्रधानमंत्री के चुनाव को निरस्त किया था, तब लोकतान्त्रिक मर्यादाओं का सम्मान करते हुए पद छोड़ने के बजाय 1975 में आधी रात को देश पर आपातकाल थोप दिया गया। रातोंरात हजारों–लाखों निर्दोष नागरिकों को जेलों में बंद कर दिया गया। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता छीन ली गई और लोकतंत्र की आवाज को दबाने के लिए दमन का लंबा दौर चलाया गया। उस समय कांग्रेस को न तो संविधान की चिंता थी और न ही लोकतंत्र की रक्षा की याद आई। जब कांग्रेस द्वारा संविधान में किए जा रहे मनमाने संशोधनों पर न्यायपालिका ने संवैधानिक मर्यादाओं के अनुरूप हस्तक्षेप किया, तब भी कांग्रेस ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता और स्थापित प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए उच्च न्यायालयों के अनेक न्यायाधीशों का स्थानांतरण किया। वर्ष 1984 में हजारों निर्दोष सिखों का कत्लेआम हुआ, तब भी कांग्रेस को लोकतंत्र और संविधान पर कोई खतरा नजर नहीं आया।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर रुके ट्रक में घुसी डीसीएम

अमेठी,संवाददाता। शुकुल बाजार थाना क्षेत्र में बुधवार को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार डीसीएम सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से घुस गई। हादसे में दोनों वाहनों के चालक घायल हो गए। टक्कर इतनी तेज थी कि डीसीएम का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसा एक्सप्रेसवे के किलोमीटर संख्या 72.5 पर हुआ।

दीपावली और छठ पर घर आने वालों से गुलजार हुए स्टेशन और बस अड्डे

परदेश से अपनों के बीच लौट रहे पूर्वांचल के लोग, ट्रेनों और बसों में उमड़ी भारी भीड़

लोक हस्तक्षेप समाचार
वाराणसी। लोक आस्था के महापर्व छठ और प्रकाश पर्व दीपावली को अपनों के साथ मनाने के लिए परदेश में रहने वाले प्रवासियों का घर लौटने का सिलसिला तेजी से शुरू हो गया है। वाराणसी जंक्शन (कैंट), बनारस और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन सहित शहर के प्रमुख बस अड्डों पर यात्रियों की भारी भीड़ देखी जा रही है। मुंबई, दिल्ली, गुजरात, पंजाब और बेंगलुरु जैसे महानगरों से आने वाली हर ट्रेन खचाखच भरी हुई काशी पहुंच रही है।

त्योहारों के इस सीजन में यात्रियों की सुगम यात्रा के लिए रेल प्रशासन और परिवहन निगम पूरी तरह अलर्ट मोड पर हैं। आनंद विहार, सूरत और मुंबई से वाराणसी के लिए दर्जनों पूजा स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जबकि नियमित ट्रेनों में लंबी वेटिंग को देखते हुए अतिरिक्त कोच जोड़े जा रहे हैं। स्टेशन से लेकर बस टर्मिनस तक अपनों को लेने आए परिजनों की आंखें अपनों का इंतजार कर रही हैं, जिससे हर तरफ त्योहारों का उल्लास साफ नजर आ रहा है।

भीड़ को नियंत्रित करने और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए स्टेशनों पर राजकीय रेलवे पुलिस (ळत्त्) और रेलवे सुरक्षा बल (त्त्ब्) ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त टिकट काउंटर और हेल्प डेस्क खोले गए हैं। रोडवेज प्रशासन ने भी ग्रामीण और नजदीकी जिलों के लिए अतिरिक्त बसोंका संचालन शुरू कर दिया है ताकि यात्रियों को स्टेशन से अपने पैतृक गांव पहुंचने में किसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

धनतेरस पर खुलेंगे माता अन्नपूर्णा के स्वर्णमयी कपाट, पांच दिनों तक काशी में बरसेगी कृपा

वाराणसी,संवाददाता। काशी के अति प्राचीन और सुप्रसिद्ध माता अन्नपूर्णा मंदिर में ६ नातेरस के पावन अवसर पर पांच दिवसीय भव्य दर्शन–पूजा का शुभारंभ होने जा रहा है। मंदिर प्रशासन के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, धनतेरस के दिन सुबह 4 बजे स्वर्णमयी माता अन्नपूर्णा के कपाट विधिवत–विधान के साथ खोले जाएंगे।इस दौरान सबसे पहले कपाट और मां के खजाने की पूजा–अर्चना की जाएगी, जिसके बाद सुबह 5 बजे से आम श्रद्धालुओं के लिए अनवरत दर्शन की व्यवस्था शुरू होगी। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जगत के पालनहार बाबा विश्वनाथ स्वयं माता अन्नपूर्णा से भिक्षा मांगते हैं। इसी प्राचीन और अनूठी परंपरा के तहत हर साल धनतेरस पर माता के स्वर्ण कपाट खोले जाते हैं।साल में केवल इन्हीं पांच दिनों के लिए माता का यह दुर्लभ स्वर्णमयी स्वरूप भक्तों को दर्शन देता है, जिसे देखने के लिए देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु काशी पहुंचते हैं। मंदिर प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, भक्तों को सुगमता से दर्शन कराने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। श्रद्धालुओं को एक नंबर गेट से कतारबद्ध होकर प्रथम तल पर पहुंचना होगा।यहीं पर भक्तों को माता अन्नपूर्णा, भूमि, लक्ष्मी जी तथा याचक के रूप में भिक्षा मांग रहे बाबा विश्वनाथ के दिव्य दर्शन प्राप्त होंगे।दर्शन के उपरांत सभी श्रद्धालुओं को माता के खजाने का प्रसाद (धान का लावा और खजाने के रूप में सिक्केछप्रसाद) वितरित किया जाएगा।

मान्यता है कि इस प्रसाद को अपने घर की तिजोरी या धन के स्थान पर सहेज कर रखने से घर में बरकत बनी रहती है और कभी भी अन्न–धन की कमी नहीं होती है। यह पांच दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान और उत्सव 10 नवंबर तक 5 दिनों तक चलेगा।इस दौरान महोत्सव के अंतिम चरण में 10 नवंबर को अन्नकूट का भव्य पर्व मनाया जाएगा।इस दिन माता को 17 से 18 टन (या लगभग 100 क्विंटल से अधिक) विभिन्न प्रकार की मिठाइयों, व्यंजनों और छप्पन भोग का विशाल भोग अर्पित किया जाएगा। मंदिर की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए कच्चा भोग निःशुल्क वितरित करने की विशेष व्यवस्था की गई है। इस बार के पांच दिवसीय इस भव्य आयोजन में काशी नगरी में 8 से 10 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है।स्थानीय और देश के विभिन्न राज्यों के अलावा अमेरिका, इंग्लैंड और यूरोप सहित लगभग 10 से 12 देशों के विदेशी भक्त भी माता अन्नपूर्णा के दरबार में हाजिरी लगाने और इस ऐतिहासिक उत्सव के गवाह बनने के लिए वाराणसी पहुंच रहे हैं।मंदिर प्रशासन और स्थानीय पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा, सुगम यातायात और लंबी कतारों के प्रबंधन के लिए पूरी तैयारी कर ली है।

लापता महिला का शव पेड़ पर लटका मिला

आगरा,संवाददाता। आगरा के थाना मलपुरा क्षेत्र के ककुआ गांव में बुधवार को घर से लापता 73 वर्षीय महिला का शव खेत किनारे पेड़ पर लटका मिला। सूचना पर ग्रामीण मौके पर जुट गए। मृतका की पहचान प्रेमवती, पत्नी सरनाम सिंह कुशवाहा, निवासी ककुआ गांव के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक, वह सोमवार दोपहर करीब 12 बजे घर से निकली थीं। वह अपने बड़े बेटे आनंद प्रकाश के साथ रहती थीं। घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश की, लेकिन पता नहीं चला। बुधवार को गांव के वेद प्रकाश शर्मा के खेत के किनारे पेड़ पर शव दिखाई दिया। खेत पहुंचे एक किसान ने पुलिस की पीआरवी को सूचना दी। थाना मलपुरा प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और फॉरेंसिक टीम को सूचना दी। पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रेमवती के दो बेटे हैं। बड़े बेटे का नाम आनंद प्रकाश और छोटे बेटे का नाम जयपाल सिंह है।

प्रदेश कार्यसमिति और मोर्चो की कमेटियों से भाजपा ने साधा कार्यकर्ताओं को, बनने लगी चुनावी रणनीति

वाराणसी,संवाददाता। भाजपा नेतृत्व ने बहुप्रतिक्षित प्रदेश कार्यसमिति से लगायत विभिन्न मोर्चों व प्रकोष्ठ की कमेटियों की घोषणा कर दी है। इससे संगठन को मजबूती मिल रही है साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं की नाराजगी को भी दूर करने डैमेज कंट्रोल किया है। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष 10 वर्ष से तैनात थे। महानगर अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद कमेटी डेढ़ वर्ष तक घोषित नहीं हुई। जब कमेटियां घोषित हुई तो चेहरे देखकर कमेटी में अपनों को शामिल करने के आरोप लगे। कई वरिष्ठ और समर्पित कार्यकर्ता खुद को उपेक्षित महसूस करने लगे। कुछ ने इंटरनेट मीडिया और अन्य माध्यमों से अपनी नाराजगी जाहिर की। बात निकली तो दूर तक गई। आनन–फानन में नेतृत्व ने प्रदेश कार्यसमिति, मोर्चों, प्रकोष्ठों में प्रदेश से लेकर क्षेत्र, जिला–महानगर में शामिल किया गया। कार्यकर्ताओं को संतुष्ट करने में वाराणसी महानगर (शहरी क्षेत्र) में भी किसान मोर्चा बना दिया। इसे आगामी विधानसभा चुनाव से पहले नाराज



कार्यकर्ताओं के बीच डैमेज कंट्रोल की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

भाजपा नेतृत्व ने जंबो प्रदेश कार्यसमिति में 98 संगठनात्मक जिलों से 548 कार्यकर्ताओं को सदस्य बनाया गया है। काशी क्षेत्र से 101 में वाराणसी के रामगोपाल मोहले, शशिकांत राय, सौरभ सिंह, सुधीर मिश्र, सत्यप्रकाश सिंह अखंड, निर्मला पटेल, वीणा पांडेय, अजय कुमार सिंह, सुधीर सिंह समेत 14 लोगों को जगह मिली है। इसमें कई वर्तमान में किसी भी पद पर नहीं थे। किसान मोर्चा, महिला, अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक, ओबीसी मोर्चा की जिला–महानगर कमेटी में 34 से लेकर 47 कार्यकर्ताओं को उपाध्यक्ष, महामंत्री, मंत्री, कोषाध्यक्ष, मीडिया संयोजक, सह संयोजक, आइटी, कोषाध्यक्ष आदि पद दिए हैं। प्रदेश स्तर पर प्रकोष्ठों में भी संयोजक, सहसंयोजक और सदस्य शामिल किए गए हैं।

नेतृत्व ने इसके माध्यम से लगभग प्रत्येक जातियों को साधा है। मुख्य कमेटी के साथ मोर्चों व प्रकोष्ठों में पांडेय, ओझा, कसेरा, तिवारी, उपाध्याय, रावत, शर्मा, सेठ, परिहार, यादव, अग्रहरि, क्षत्रिय, केशरी, गुप्ता, मिश्रा, मौर्या, श्रीवास्तव, पांडेय, वर्मा, पाठक, पात्रो, विश्वकर्मा, जायसवाल, पासवान, सोनकर, वेनवंशी, कनौजिया, बाल्मीकि, पासवान, धारिया, गोंड़, खरवार, कश्यप, सिन्हा, मल्लाह, चौधरी समेत चार दर्जन जातियों को शामिल किया गया है।

पार्क में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

नोएडा,संवाददाता। नोएडा के सेक्टर–69 स्थित एक पार्क में युवक का शव पेड़ से लटका मिला। सुबह सैर करने आए लोगों ने इसकी जानकारी डायल–112 को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पेड़ से उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आसपास जानकारी करने पर उसकी पहचान प्रभाकर (23) पुत्र राम किशन लाल के रूप में हुई। प्रभाकर गढ़ी गोलचक्कर के पास रहता था। वह मूल रूप से फर्रुखाबाद का रहने वाला था। इसके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शुरुआती जांच में मृतक के शरीर पर चोट के निशान नहीं है। गले में रस्सी के निशान हैं। समझा जा रहा है फंदा लगाने के बाद दम घुटने से मौत हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस ने बताया कि प्रभाकर मजदूरी करता था। उसके पिता भी मजदूरी करते हैं। किसी बात को लेकर को लेकर वो काफी दिनों से परेशान था।

मां गंगा को राष्ट्रीय नदी घोषित कर कांग्रेस ने दिया ऐतिहासिक सम्मान : राघवेंद्र चौबे



वाराणसी,संवाददाता। मां गंगा की निर्मलता, स्वच्छता और अविरलता की कामना के साथ महानगर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में बुधवार को शीतला घाट पर मां गंगा का दुग्धाभिषेक एवं पूजन–अर्चन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन महानगर महासचिव प्रमोद वर्मा ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश प्रमुख सेवादल डॉ. प्रमोद पांडेय मौजूद रहे, इस अवसर पर डॉ. प्रमोद पांडेय ने कहा कि 5 नवंबर 2008 को तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार ने गंगा को राष्ट्रीय नदी घोषित कर देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को सम्मान दिया था। तभी से वाराणसी में कांग्रेसजनों द्वारा निरंतर शीतला घाट पर दुग्धाभिषेक किया जाता रहा है, उन्होंने कहा कि गंगा के तीन पक्ष हैं– आध्यात्मिक, व्यावहारिक और वैज्ञानिक।

गंगा केवल जलधारा नहीं, सनातन संस्कृति की आत्मा है। हिंदू आचमन कर पूजा करता है तो मुसलमान वजू कर नमाज अदा करता है। उन्होंने चिंता जताई कि उन्नाव से बनारस तक 360 किमी का पैच सबसे ज्यादा गंदा है, कानपुर–उन्नाव के चमड़ा उद्योग से बीओडी बढ़ रही है। राजीव गांधी के समय शुरू हुए गंगा एक्शन प्लान के तहत एसटीपी बनीं, लेकिन 2014 के बाद नमामि गंगे नाम देकर गंगा को सिर्फ राजनीतिक स्वार्थ के लिए उपयोग किया गया, महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने कहा कि माँ गंगा केवल नदी नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आस्था और जीवन का आधार हैं। कांग्रेस ने गंगा को राष्ट्रीय नदी घोषित कर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित किया। कहा कि आज स्वच्छता की बड़ी–बड़ी बातें करने वालों को याद रखना चाहिए कि यह ऐतिहासिक निर्णय कांग्रेस सरकार ने लिया था। गंगा की स्वच्छता सरकारी घोषणाओं से नहीं, बल्कि ठोस कार्यों और जनभागीदारी से होगी, कार्यक्रम में सतनाम सिंह, प्रमोद वर्मा, प्रवीण प्रकाश, वकील अंसारी, देवेन्द्र सिंह, मनोज द्विवेदी, नरसिंह दास, आकाश त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मायावती ने बुलाई बसपा की अहम बैठक

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की चार बार मुख्यमंत्री रह चुकीं मायावती ने गुरुवार, 5 नवंबर को लखनऊ में प्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारियों और सभी 75 जिलों के जिलाध्यक्षों की अहम बैठक बुलाई है। इसमें प्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ सभी 75 जिलों के जिलाध्यक्ष शामिल होंगे। बैठक में संगठन की जमीनी हकीकत परखने के साथ चुनावी तैयारियों और उम्मीदवारों के चयन पर मंथन होगा। बसपा कार्यालय की ओर से बुधवार को जारी बयान के



मुताबिक, बैठक सुबह 11 बजे लखनऊ स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय, 12 माल एवेन्यू में मायावती की अध्यक्षता में होगी। इसमें प्रदेश संगठन के सभी स्तरों के छोटे–बड़े पदाधिकारियों को बुलाया गया है। बैठक में सबसे पहले प्रदेश में पार्टी संगठन की मौजूदा स्थिति और उसकी जमीनी मजबूती की समीक्षा की जाएगी। इसमें प्रदेश संगठन के सभी स्तरों के छोटे–बड़े पदाधिकारी और 75 जिलों के जिलाध्यक्ष शामिल होंगे। बैठक में मुख्य रूप से पार्टी संगठन की जमीनी स्थिति, उसकी मजबूती और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। मायावती पदाधिकारियों से पहले दिए गए दिशा–निर्देशों पर हुए कामकाज की रिपोर्ट भी लेंगी।

इसके जरिए यह आकलन किया जाएगा कि जिलों में संगठन कितना सक्रिय है और पार्टी की तैयारियां किस स्तर तक पहुंची हैं। इसके साथ ही चुनाव के लिए बेहतर से बेहतर उम्मीदवारों के चयन और सर्वसमाज में पार्टी के जनाधार को बढ़ाने की रणनीति पर भी चर्चा होगी। माना जा रहा है कि बैठक के जरिए पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव से पहले संगठन को नए सिरे से सक्रिय करने और चुनावी रणनीति को धार देने की दिशा में महत्वपूर्ण फैसले कर सकती है। गौरतलब है कि बसपा उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर संगठनात्मक तैयारियों में जुटी है। ऐसे में सभी जिलाध्यक्षों और वरिष्ठ पदाधिकारियों की मौजूदगी में होने वाली इस बैठक को पार्टी की चुनावी रणनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है। राजनीतिक लिहाज से बसपा की यह बैठक काफी अहम मानी जा रही है। सभी 75 जिलों के जिलाध्यक्षों और वरिष्ठ पदाधिकारियों की मौजूदगी में मायावती संगठन को नए सिरे से सक्रिय करने के लिए अहम दिशा–निर्देश दे सकती हैं। माना जा रहा है कि इस बैठक के जरिए पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव से पहले अपनी रणनीति और संगठनात्मक तैयारियों को अंतिम रूप देने की दिशा में कदम बढ़ाएगी।

गन्ना ही नहीं चावल से भी एथेनॉल बनाने पर पाबन्दी

लखनऊ,संवाददाता। एथनॉल उत्पादन के लिए गन्ने के इस्तेमाल पर रोक के बाद केंद्र सरकार ने अब चावल के इस्तेमाल पर भी सीमा तय कर दी है। सरकार के फैसले से एथेनॉल बनाने वाली कंपनियों की निर्भरता मक्के पर बढ़ सकती है। उद्योग जगत के अनुमान के मुताबिक 2026–27 में एथेनॉल उत्पादन के लिए मक्के की मांग करीब 1.6 करोड़ टन तक पहुंच सकती है, जबकि चालू आपूर्ति वर्ष में लगभग 1.3 करोड़ टन रहने का अनुमान है। एफसीआई के अतिरिक्त चावल और खराब खाद्यान्न से एथेनॉल बनाने की मात्रा सीमित कर दी है। संशोधित टेंडर की शर्तों के मुताबिक वित्त वर्ष 2026–27 के शुरुआती तीन तिमाहियों में एफसीआई के अतिरिक्त चावल से अधिकतम 324 करोड़ लीटर एथेनॉल बनाया जा सकेगा। खराब खाद्यान्न से एथेनॉल उत्पादन की सालाना सीमा 160 करोड़ लीटर तय की गई है। इन दोनों स्रोतों से 484 करोड़ लीटर एथेनॉल का ही उत्पादन किया जा सकेगा। यह तेल विपणन कंपनियों ओएमसी की ओर से जारी 1,100 करोड़ लीटर के कुल टेंडर का करीब 44 फीसदी है।सरकार ने एफसीआई के अतिरिक्त चावल के इस्तेमाल को लेकर उत्पादकों के लिए अलग–अलग सीमाएं तय की हैं। कोई भी एथेनॉल उत्पादक अपनी एक तिमाही की कुल पेशकश में 30 फीसदी से अधिक हिस्सा एफसीआई के चावल से बने एथेनॉल का नहीं रख सकेगा।

इस स्रोत से सभी कंपनियों को मिलाकर हर तिमाही अधिकतम 108 करोड़ लीटर एथेनॉल का आवंटन किया जाएगा।शुरुआती तीन तिमाहियों में कुल सीमा 324 करोड़ लीटर रहेगी।यदि कंपनियों की ओर से निर्धारित सीमा से अधिक पेशकश की जाती है तो तेल विपणन कंपनियां सभी बोलीदाताओं की पात्र मात्रा में आनुपातिक कटौती करेंगी।सरकार ने एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल ईबीपी कार्यक्रम के लिए 72 लाख टन अतिरिक्त चावल आवंटित किया है। यह आवंटन 30 जून 2027 तक वैध रहेगा।

संपादकीय

गरीबी के आंकड़े

विश्व बैंक की निर्धनता एवं समानता संबंधी रिपोर्ट में यह कहा जा रहा है कि वर्ष 2011 से 2023 के बीच देश में करीब पचास करोड़ लोग गरीबी की रेखा से बाहर निकाले गए। इस रिपोर्ट में आगे कहा गया कि अत्यधिक निर्धन वर्ग के लोगों की संख्या में भी करीब पच्चीस फीसदी की कमी आई है। यह संख्या अब घटकर कुल आबादी की 2.6 फीसदी रह गई है। दावा किया जा रहा है कि निम्न मध्यम वर्ग के लोगों की तादाद में भारी कमी आ रही है। निस्संदेह, इन आंकड़ों को लेकर सरकारें अपनी पीठ थपथपा सकती हैं। कहा जा रहा है कि राजग सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की इसमें अहम भूमिका रही। लेकिन सवाल यह है कि ये आंकड़े कितने प्रामाणिक हैं और क्या विज्ञान—सम्मत तरीके से लिये गए हैं? अर्थशास्त्र में आंकड़ों को लेकर एक मशहूर उक्ति है— 'आंकड़े ऐसी कच्ची मिट्टी है, जिससे देवता और दैत्य दोनों बनाए जा सकते हैं।' यानी सरकारें उनका उपयोग अपनी सुविधा के अनुसार कर सकती हैं। हालांकि, गरीबी में कमी की यह शुरुआत संप्रग सरकार के समय के आंकड़ों के साथ की गई है। जिसकी समयावधि वर्ष 2011 से शुरू होती है। राजग सरकारों के कार्यकाल में जरूर अधिक समय को अध्ययन में शामिल किया गया है। जिसमें निर्धनता की आई कमी के कारणों में खपत में वृद्धि, रोजगार और खासकर महिलाओं के रोजगार में वृद्धि, सामाजिक कल्याण योजनाओं तथा खाद्य सब्सिडी जैसे कार्यक्रम को शामिल किया गया है। लंबे समय से देश राजनेताओं के गरीबी हटाओ के नारों व कार्यक्रमों का साक्षी रहा है। लेकिन उन कार्यक्रमों की सफलता इस बात पर निर्भर होती है कि गरीब कल्याण की योजनाओं का कितने कारगर ढंग से क्रियान्वयन हुआ। कितनी ईमानदारी से गरीब के हाथ में कल्याण योजनाओं की राशि पहुंची। बहरहाल, राजग सरकार का दावा है कि गरीबी रेखा के नीचे रहने वालों को इससे बाहर निकालने में जन—धन योजना,प्रधानमंत्री आवास योजना,घर—घर शौचालय, घर—घर नल व आयुष्मान योजना की बड़ी भूमिका रही है। एक समय था कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था कि लोककल्याण के कार्य हेतु आवंटित हुए एक रुपये में से सिर्फ पंद्रह प्रतिशत ही जरूरतमंद के हाथ में पहुंचता है। हालांकि, न खाऊंगा और न खाने दूंगा के उद्घोष के बाद वास्तविक स्थिति में क्या बदलाव आया, यह अध्ययन का विषय होना चाहिए। हालांकि, विपक्षी नेता इस स्थिति के बावजूद मुफ्त खाद्यान्न वितरण कार्यक्रम की जरूरत को लेकर भी सवाल उठाते हैं। यह सुखद है कि देश में कुछ जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों को अपना जीवन स्तर सुधारने का अवसर मिला। लेकिन देश में अक्सर यह सवाल उठाया जाता रहा है कि जब भारत दुनिया में सबसे तेज गति से विकसित होती अर्थव्यवस्था है, तो लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव क्यों नहीं आता? क्यों देश में अमीरी—गरीबी की खाई लगातार बढ़ती जा रही है? सही मायने में किसी देश में होने वाला विकास न केवल तर्कसंगत होना चाहिए, बल्कि न्यायसंगत भी होना चाहिए। वैसे यदि वास्तव में आंकड़ों के अनुसार देश में गरीबी में कमी आई है तो यह हमारे लिये उत्साहजनक स्थिति है। यह जानते हुए

लगन

जरा सी मुहब्बत भी छूती है,
मन को तभी राम संग सीता जाती हैं।

वन को छाया अगर डालियां थोड़ी देंगी,
कुछ तो आराम आएगा तन को।

शीतलता चंदा की सुख दे रही है,
उसने मिटाया है दिन की अगन को।

अगर तुमने अपना किसी को कहा है,
मर के निभाना अपने वचन को वो हंसता है।

अगर उसी उलफत पे मधुकर
उसे कह दो हल्का ना समझे लगन को।

हींग—फिटकरी के बिना व्यंग्य के रंग

आपके इस प्रश्न का कि आपको व्यंग्य लिखने के लिए क्या प्रेरित करता है, जवाब यह है कि हमें छपना और पुरस्कार एवं सम्मान पाना ही लिखने के लिए प्रेरित करता है।

मेरे एक मित्र हैं। ये सकारण मित्र हैं। मेरा इनसे काम पड़ता है, अतः मजबूरी में इन्हें मित्र कहना पड़ रहा है।

मैं बिना काम के लोगों से मित्रता करने में अपना कीमती वक्त जाया नहीं करता। काम निकलते ही मित्रता को तिलांजलि दे देता हूं। इस मामले में घनघोर प्रगतिशील हूं।

तो मैं जिन संपादक मित्र की बात कर रहा था, उन्होंने आज पता नहीं क्यों पूछा कि आप क्या देखकर, क्या अनुभव करके और क्या सोचकर व्यंग्य लिखते हैं? वह क्या चीज है, जो आपको व्यंग्य लिखने के लिए प्रेरित करती है? मैंने कहा, 'मित्रवर, मुझे तो आपके ये सारे सवाल किसी अजायबघर से अभी—अभी निकले हुए लग रहे हैं और इसीलिए कुछ बदहवास से भी। भला व्यंग्य लिखने के लिए कुछ देखने, समझने या अनुभव करने की क्या जरूरत है? बंधु, देखने के लिए खुद की आंखें चाहिए, जो मेरे पास अरसे से नहीं हैं। सफल व्यंग्यकार बनने का विचार मन में आते ही मैंने अपनी आंखें सरकारी खजाने में जमा कर दी थीं। वहां से इनके बदले एक चश्मा मिला। उसी के सहारे देखता हूं और फिर डंके की चोट पर कहता हूं, 'मैं कहता आंखन देखी।'

'वैसे भी मित्र, आजकल लिखने से पहले देखने के लिए समय ही किसके पास है? जितना समय देखने में लगाएंगे, उतने में दो व्यंग्य लिख जाएंगे। तो कौन देखे और काहे के लिए देखे? जब बिना देखे लिखना संभव हो, तो देखकर लिखने का विचार मुझे दुराग्रह—सा लगता है।' 'आपके लिखने से पहले सोचने की बात पर मुझे हंसी भी आ रही है और आप पर दया भी। मैं न तो लिखने से पहले, न लिखने के दौरान और न ही लिखने के बाद कभी सोचता हूं। सोचने के बारे में सोचने की मुझे कभी जरूरत ही नहीं पड़ी।' 'आपके इस प्रश्न का कि आपको व्यंग्य लिखने के लिए क्या प्रेरित करता है, जवाब यह है कि हमें छपना और पुरस्कार एवं सम्मान पाना ही लिखने के लिए प्रेरित करता है। किसी अन्य प्रेरणा के वशीभूत होकर हमने आज तक एक पंक्ति तक नहीं लिखी और न ही कभी लिखे जाने की उम्मीद है।' 'तो मित्र प्रवर, हमारा खुला एजेंडा है कि व्यंग्य लिखना है और व्यंग्यकार बने रहना है, तो न कुछ देखो, न कुछ सोचो, न ही कुछ समझो और न ही कुछ अनुभव करो। बस, कलम उठाओ और पिल पड़ो।'

यूरोप में सुरक्षित भविष्य के लिए युवाओं का विद्रोह

असद मिर्जा

यूरोप में चल रहे विरोध—प्रदर्शन सिर्फ युवाओं का विद्रोह नहीं है, और न ही यह कोई एक संगठित आंदोलन है। यह इस बात को लेकर एक व्यापक संघर्ष है कि किसे सुरक्षा और अवसर मिलेगा और किस पर राजनीतिक ध्यान होगा। फ्रांस और जर्मनी से लेकर सर्बिया तक, युवा प्रदर्शनकारी अपने से बड़ी उम्र के साथियों के साथ मिलकर एक साझा डर के खिलाफ खड़े हैं,न उन्हें डर है कि एक अच्छे भविष्य के वादे अब उनसे दूर होते जा रहे है। इसके तात्कालिक कारण अलग—अलग हैं। फ्रांस में स्कूलों की अनदेखी, शिक्षकों की कमी और उच्च शिक्षा तक समान पहुंच न होने को लेकर छात्रों का गुस्सा, जीवन—यापन की बढ़ती लागत और सरकार की कार्यशैली से उपजी व्यापक निराशा के साथ जुड़ गया है। जर्मनी में युवाओं से बेहतर फंड वाले स्कूलों आवास, सामाजिक सेवाओं और जलवायु संबंधी कदमों की मांग को लेकर प्रदर्शन किया है साथ ही वे अनिवार्य सैन्य सेवा को फिर से लागू करने का विरोध कर रहे हैं। पुर्तगाल और स्पेन में आवास का महंगा होना और लोगों का बेघर होना एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया है। सर्बिया में छात्रों का आंदोलन एक अलग ही रास्ते पर चला गया, और बुनियादी ढांचे की एक घातक विफलता के कारण शुरू हुआ विरोध—प्रदर्शन, अंततरू सत्तारूढ़ पार्टी के लिए एक चुनावी चुनौती बन गया। कारण भले ही अलग—अलग हों लेकिन एक स्पष्ट पैटर्न दिखाई देता है। युवाओं को लग रहा है कि एक वयस्क जीवन बनाने की लागत, जैसे स्कूल, आवास, रोजगार और जलवायु नीति — पर बहुत कम ध्यान दिया जा रहा है। फिर भी, कुछ प्रदर्शनों में बुजुर्ग लोग भी शामिल हुए हैं। एक बुजुर्ग प्रदर्शनकारी के पोस्टर पर लिखा था, बुजुर्ग भी तंग आ चुके हैं— यह संदेश पीढ़ियों के बीच दोषारोपण करने के बजाय, उनके बीच एकजुटता की संभावना को बेहतर ढंग से दर्शाता है। यह फर्क समझना जरूरी है। अगर इस



असंतोष को सिर्फ अलग—अलग उम्र के समूहों के बीच की लड़ाई के रूप में देखा जाए, तो सरकारें एक कठिन सवाल से बच सकती हैं। सीमित संसाधनों और राजनीतिक प्रभाव का बंटवारा कैसे हो रहा है? आवास का महंगा होना, वेतन में कम बढ़ोतरी या स्कूलों की खस्ता हालत के लिए पेंशनभोगी जिम्मेदार नहीं हैं। न ही युवा ऐसा भविष्य चाहते हैं जो बुजुर्गों की कीमत पर बने। बेहतर नजरिया यह होगा कि अलग—अलग पीढ़ियां मिलकर एक ऐसा गठबंधन बनाएं जो सरकारी नीतियों से जीवन भर के लिए सुरक्षा की मांग करे। फ्रांस इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण है कि कैसे एक सीमित विरोध—प्रदर्शन व्यापक रूप ले सकता है। स्कूलों की हालत को लेकर शुरू हुआ छात्रों का प्रदर्शन एक बड़े असंतोष का मंच बन गया, जिसमें मजदूर संगठन और बढ़ती महंगाई से परेशान लोग भी शामिल हो गए। कुछ लोगों द्वारा की गई हिंसा को पूरे आंदोलन का चरित्र नहीं माना जाना चाहिए,न लेकिन सच भी, इसे नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता, खासकर तब जब इससे जनसमर्थन को खतरा हो या प्रशासन को विरोध—प्रदर्शनों पर पाबंदी लगाने का बहाना मिल जाए। विरोध करने का अधिकार कोई मामूली बात नहीं है, बल्कि यह खुद राजनीतिक संघर्ष का एक हिस्सा है। जब प्रशासन प्रदर्शनों के रास्ते बदल देता है, पाबंदियां लगाता है या भीड़ पर बल प्रयोग करता है, तो हो सकता है कि वह कुछ समय के लिए अव्यवस्था को रोक दे, लेकिन इससे युवाओं के मन में यह धारणा और गहरी हो जाती है कि उनकी बात तभी सुनी जाती है, जब उन्हें नजरअंदाज करना नामुमकिन हो जाए। अलग—अलग देशों में हो रहे इन विरोध—प्रदर्शनों को जोड़ने वाली कोई एक केंद्रीय कमान, घोषणापत्र या राजनीतिक विचारधारा नहीं है। यह प्रसार है। तस्वीरें, नारे और रणनीतियां एक जगह से दूसरी जगह पहुंचती हैं और एक देश के प्रदर्शन अन्य जगहों के युवाओं को यह विश्वास दिला सकते हैं कि सार्वजनिक कार्रवाई संभव है। सोशल मीडिया इस प्रक्रिया को तेज कर देता है, लेकिन समान परिस्थितियां इसे और मजबूत बनाती हैं। जैसा कि एक विश्लेषक ने बताया, यह संबंध श्समन्वय के बजाय प्रसारश जैसा हैऋ ये राष्ट्रीय आंदोलन स्थानीय मांगों को बनाए रखते हुए दूसरी जगहों से प्रेरणा लेते हैं। सर्बिया से पता चलता है कि जब विरोध—प्रदर्शन की लहर सड़कों से निकलकर मुख्यधारा की राजनीति में पहुंचती है, तो क्या हो सकता है। अक्टूबर 2026 में छात्रों के समर्थन वाली सूची ने संसदीय चुनाव जीत लिया, जिससे अलेक्जेंडर वुसिक की पार्टी का लंबा शासन खत्म हो गया। यह जीत काफी अहम है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि सिर्फ विरोध—प्रदर्शन के दम पर ही अच्छी सरकार चलाई जा सकती है। इस नई राजनीतिक ताकत को अभी सरकार बनानी है अपने गठबंधन को बचाए रखना है और जवाबदेही की मांगों को स्थायी संस्थाओं में बदलना है।

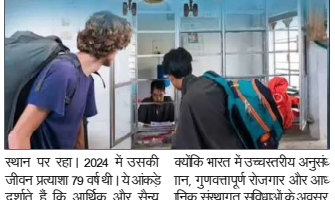
यहीं पर क्या यह दुनिया की तस्वीर बदल देगा? जैसे सवाल का एक संक्षिप्त जवाब देने की जरूरत है। अगर ये विरोध—प्रदर्शन सिर्फ असंतोष को सामने लाने से कहीं आगे बढ़कर एक संगठन बनाएं व्यापक गठबंधन कायम रखें ठोस नीतिगत बदलाव हासिल करें और भीड़ के घर चले जाने के बाद भी जवाबदेही सुनिश्चित करें तो राजनीति की दिशा बदल सकते हैं। पूरे यूरोप में शक्तिपूर्ण प्रदर्शन भी राजनीतिक दलों को उन प्राथमिकताओं पर ध्यान देने के लिए मजबूर कर सकते हैं जिन्हें वे वरना नजरअंदाज कर देते। लेकिन सड़कों पर जुटी भीड़ बदलाव की गारंटी नहीं देती। कई तरह की शिकायतों वाले आंदोलन के लिए अपनी प्राथमिकताओं पर आम सहमति बनाना मुश्किल हो सकता है। यह कमजोर संगठन होने पर बातचीत करना या नेताओं को जवाबदेह ठहराना कठिन हो जाता है। कुछ सरकारें शायद कुछ छोटी—मोटी रियायतें दे दें लेकिन बुनियादी समस्याओं को जस का तस छोड़ दें। वहीं कुछ सरकारें अव्यवस्था का फायदा उठाकर और भी सख्त पाबंदियां लगा सकती हैं। अगर स्थापित राजनीतिक दल अपनी नीतियों में बदलाव किए बिना ही विरोध—प्रदर्शन की भाषा अपना लें तो लोगोंकी निराशा और गहरी हो सकती है। इसलिए, इसका सबसे बड़ा नतीजा यह हो सकता है कि सरकारें से कि न सिर्फ विरोध—प्रदर्शन के दम पर ही अच्छी सरकार चलाई जा सकती है। इस नई राजनीतिक ताकत को अभी सरकार बनानी है अपने गठबंधन को बचाए रखना है और जवाबदेही की मांगोंको स्थायी संस्थाओंमेंबदलना है।

यहीं पर क्या यह दुनिया की तस्वीर बदल देगा? जैसे सवाल का एक संक्षिप्त जवाब देने की जरूरत है। अगर ये विरोध—प्रदर्शन सिर्फ असंतोष को सामने लाने से कहीं आगे बढ़कर एक संगठन बनाएं व्यापक गठबंधन कायम रखें ठोस नीतिगत बदलाव हासिल करें और भीड़ के घर चले जाने के बाद भी जवाबदेही सुनिश्चित करें तो राजनीति की दिशा बदल सकते हैं। पूरे यूरोप में शक्तिपूर्ण प्रदर्शन भी राजनीतिक दलों को उन प्राथमिकताओं पर ध्यान देने के लिए मजबूर कर सकते हैं जिन्हें वे वरना नजरअंदाज कर देते। लेकिन सड़कों पर जुटी भीड़ बदलाव की गारंटी नहीं देती। कई तरह की शिकायतों वाले आंदोलन के लिए अपनी प्राथमिकताओं पर आम सहमति बनाना मुश्किल हो सकता है यह कमजोर संगठन होने पर बातचीत करना या नेताओं को जवाबदेह ठहराना कठिन हो जाता है। कुछ सरकारें शायद कुछ छोटी—मोटी रियायतें दे दें लेकिन बुनियादी समस्याओं को जस का तस छोड़ दें। वहीं कुछ सरकारें अव्यवस्था का फायदा उठाकर और भी सख्त पाबंदियां लगा सकती हैं। अगर स्थापित राजनीतिक दल अपनी नीतियों में बदलाव किए बिना ही विरोध—प्रदर्शन की भाषा अपना लें तो लोगोंकी निराशा और गहरी हो सकती है। इसलिए, इसका सबसे बड़ा नतीजा यह हो सकता है कि सरकारें से कि न सिर्फ विरोध—प्रदर्शन के दम पर ही अच्छी सरकार चलाई जा सकती है। इस नई राजनीतिक ताकत को अभी सरकार बनानी है अपने गठबंधन को बचाए रखना है और जवाबदेही की मांगोंको स्थायी संस्थाओंमेंबदलना है।

प्रतिभाओं का पलायन और भारत की चुनौती

अरुण कुमार

भारत से श्रमिकों और अन्य वर्गीक लोगों का विदेश जाना लगभग दो शताब्दियों पुरानी परिघटना है। ब्रिटिश शासन में बड़ी संख्या में भारतीयों को गिरमिटिया मजदूरों के रूप में मॉरीशस, फिजी और कैरेबियाई देशों में भेजा गया। दक्षिण अफ्रीका और पूर्वी अफ्रीका के देन्या जैसे देशों में भी भारतीय मजदूरों के साथ गुजराती व्यापारी और कारोबारी पहुंचे। इन क्षेत्रों से भारत के व्यापारिक और सांस्कृतिक संपर्क इससे भी पुराने रहे हैं। समय के साथ अनेक देशों में भारतीय मूल के समुदाय विकसित हुए, जो आज वहां की राजनीति, व्यापार और सामाजिक जीवन में प्रभावशाली भूमिका निभा रहे हैं। कुछ देशों में उनके प्रतिनिधि राष्ट्राध्यक्ष और सरकार के प्रमुख पदों तक भी पहुंचे हैं। स्वतंत्रता के बाद भी समय—समय पर भारत सरकारों ने श्रमिकों की मांग वाले देशों में उनके जाने को प्रोत्साहित किया। अमेरिका जाने का सपना देखने वाले भारतीय युवाओं के सामने आज विविध विषय हैं। जिस देश को वे बेहतर शिक्षा, ऊंचे वेतन, आधुनिक अनुसंधान और उज्ज्वल भविष्य का प्रवेशद्वार मानते हैं उसी की आव्रजन नीतियां उनके लिए अनिश्चितता बढ़ा रही हैं। वहां काम करने वाले भारतीय पेशेवरों के लिए नौकरी और स्थायी निवास की राह कठिन होती जा रही है। एच—1बी वीजा अमेरिकी कंपनियों को विशेष योग्यता वाले विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करने की अनुमति देता है। इसके धारकों में भारतीय आईटी विशेषज्ञों और इंजीनियरों की बड़ी हिस्सेदारी है। अमेरिकी नागरिकों के रोजगार और वेतन की रक्षा का तर्क देते हुए ट्रंप प्रशासन ने नियम कड़े किए और कुछ नई याचिकाओं पर एक लाख डॉलर शुल्क घोषित किया। हालांकि, अदालती के आदेशों से इसके कार्यान्वयन में बाधा आई। एच—1बी वीजा धारकों की परेशानी भारत यात्रा के दौरान भी बनी रहती है। वापसी के लिए नई वीजा स्टैम्पिंग आवश्यक होने और वाणिज्य दूतावास में नियुक्ति मिलने में देरी के कारण उनकी वापसी अटक सकती है। इससे नौकरी, परिवार और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका रहती है। अमेरिकी प्रशासन का तर्क है कि विदेशी कर्मचारियों को कम वेतन पर नियुक्त करने की प्रवृत्ति रोककर अमेरिकी नागरिकों के रोजगार की रक्षा की जानी चाहिए। लेकिन सभी विदेशी पेशेवरों को सस्ते श्रम की श्रेणी में रखना उचित नहीं है। भारतीय वैज्ञानिकों इंजीनियरों, चिकित्सकों और तकनीकी विशेषज्ञों ने अमेरिकी संस्थानों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कठोर वीजा नीतियां प्रतिभाशाली पेशेवरों को हतोत्साहित कर सकती हैं और दूसरे देशों के लिए उन्हें आकर्षित करने के अवसर बढ़ा सकती हैं। अमेरिका की समस्याओं को उसकी शक्ति के अंत के रूप में देखना उचित नहीं होगा। अर्थव्यवस्था, सैन्य क्षमता, उच्च शिक्षा और तकनीकी नवाचार उसे अब भी प्रमुख वैश्विक शक्ति बनाए हुए हैं। फिर भी, राजनीतिक ध्रुवीकरण, आय की असमानता, बंदूक हिंसा, महंगी स्वास्थ्य सेवाएं और जर्जर सार्वजनिक ढांचा उसकी कमजोरियां उजागर करते हैं। संबंधित वैश्विक चैंकेन में अमेरिका स्वास्थ्य में 33वें बुनियादी ढांचे में 39वें नागरिक कल्याण में 41वें और प्राकृतिक पर्यावरण में 72वें



स्थान पर रहा। 2024 में उसकी जीवन प्रत्याशा 79 वर्ष थी। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि आर्थिक और सैन्य शक्ति बेहतर स्वास्थ्य, पर्यावरण और नागरिक कल्याण की गारंटी नहीं है।

इन चुनौतियों के बावजूद अमेरिका भारतीय युवाओं की पसंद बना हुआ है। विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं पर्याप्त शोध संसाधन और उद्योगों से जुड़कर नवाचार को व्यावसायिक रूप देने के अवसर उन्हें आकर्षित करते हैं। विडंबना यह है कि एच—1बी वीजा पर काम करने वाले भारतीय पेशेवरों को स्वदेशी अनुभवित बंधुआ मजदूरों जैसी अपमानजनक संज्ञा से भी संबोधित किया गया है। यह टिप्पणी विदेशी पेशेवरों के योगदान के प्रति उपेक्षापूर्ण दृष्टिकोण दर्शाती है। इसके बावजूद बेहतर अवसरों की तलाश में युवा अमेरिका जाने को तैयार हैं क्योंकि भारत में उच्चस्तरीय अनुसंधान, गुणवत्तापूर्ण रोजगार और आधुनिक संस्थानों सुविधाओं के अवसर अभी सीमित हैं। भारत में युवा शक्ति और प्रतिभा की कमी नहीं, लेकिन उनके अनुरूप अवसर सीमित हैं। उच्चस्तरीय शिक्षण और शोध संस्थानों की कमी है। निजी क्षेत्र ने निवेश किया है, लेकिन उसके अनेक संस्थानों की फीस आम परिवारों की पहुंच से बाहर है। अमेरिका में शिक्षा ऋण और पढ़ाई के साथ काम करने के अवसर अपेक्षाकृत अधिक हैं जबकि भारत में इनका दायरा सीमित है। इसके अलावा, नौकरशाही की जटिलताएं भी नए संस्थानों और शोध गतिविधियों के विकास में बाधा बनती हैं। कुछ युवाओं की शिकायत है कि आरक्षण के कारण उन्हें शिक्षा, रोजगार और पदोन्नति में योग्यता के अनुरूप अवसर नहीं मिलते। आरक्षण सामाजिक न्याय और ऐतिहासिक वंचना दूर करने का आवश्यक माध्यम है, लेकिन सभी वर्गों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पारदर्शी नियुक्तियां और योग्यता का उचित मूल्यांकन भी जरूरी है। सामाजिक न्याय और उत्कृष्टता के संतुलन के लिए अवसरों, रोजगार की गुणवत्ता और अनुसंधान के वातावरण का निष्पक्ष आकलन होना चाहिए। स्वतंत्रता के बाद भारत ने विदेश में अनुभव प्राप्त प्रतिभाओं को अवसर देकर संस्थान निर्माण को गति दी। प्रोफेसर यशपाल ने 1958 में अमेरिका से पीएचडी प्राप्त की और भारत में वैज्ञानिक अनुसंधान को समृद्ध किया।

यू. आर. राव 1966 में भारत लौटे और अंतरिक्ष कार्यक्रम को मजबूत किया। डॉ. अशोक सेठ 1988—89 में तथा डॉ. नरेश त्रेहान 1988 में लौटे और आधुनिक हृदय चिकित्सा के विकास में योगदान दिया। सैम पित्रोदा ने राजीव गांधी के कार्यकाल में दूरसंचार आधुनिकीकरण को गति दी। अमर्त्य सेन 1963 में दिल्ली स्कूल ऑफ इकानॉमिक्स से जुड़े जबकि रघुराम राजन 2012 में मुख्य आर्थिक सलाहकार और 2013 में रिजर्व बैंक के गवर्नर बने। मोदी सरकार ने स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी पहलों के माध्यम से तकनीकी विकास पर जोर दिया है। लेकिन प्रतिभाओं की वापसी के लिए रामानुजन फेलोशिप (2005—06) और रामालिंग स्वामी रै—एंट्री फेलोशिप (2006—07) जैसी पहले से चल रही योजनाएं ही आगे बढ़ाई गई हैं। सरकार की सत्तावादी और बहुसंख्यकवादी प्रवृत्तियां तथा जीवन के लगभग हर क्षेत्र में बढ़ती नौकरशाही विदेशों में बसे भारतीयों को स्वदेश लौटने से हतोत्साहित करती है। भारत की समस्या केवल प्रतिभाओं का विदेश जाना नहीं बल्कि उनके ज्ञान और कौशल का देश में पर्याप्त उपयोग न हो पाना भी है। सफलता का पैमाना यह होना चाहिए कि कितने विश्वस्तरीय शोध समूह विकसित हुए, नई तकनीकें और उत्पाद बने, गुणवत्तापूर्ण रोजगार पैदा हुए और युवाओं को अपनी क्षमता के अनुरूप काम मिला। केवल राष्ट्रवाद का आह्वान युवाओं को देश में रोकने के लिए पर्याप्त नहीं है उन्हें ऐसे विश्वविद्यालय, प्रयोगशालाएं और उद्योग चाहिए, जहां उनकी योग्यता का सम्मान हो, विचारों की स्वतंत्रता मिले और मेहनत का उचित प्रतिफल।

महंगे जूतों में भी हवाई यात्रा मुश्किल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पहले कार्यकाल में 2017 में झिमला में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) की शुरुआत की थी। सरकार इस योजना के जरिए क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देना चाहती थी। इस योजना के तहत एक घंटे तक की उड़ान के लिए किराया 2500 रुपए से ज्यादा नहीं होगा, ऐसा बताया गया था। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने उड़ान का ऐलान करते हुए कहा था कि उनका सपना है कि—हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज में यात्रा कर सके। यह जुमला भी दो करोड़ रोजगार और हर खाते में 15 लाख जैसा हिट हो गया था। हालांकि अब दस साल पुरानी बात को याद करने का क्या फायदा। क्योंकि मोदी ने हवाई चप्पल वालों के लिए सपना ही तो देखा था, उसे पूरा करने की कई शर्त तो वैसे भी नहीं थी। हवाई चप्पल वाले कहते ही भारतीय समझ जाते हैं कि बात गरीबों की हो रही है। तो गरीबों के लिए मोदी ने जो सपना देखा था, वो कतई पूरा नहीं हो सका, बल्कि गरीब तो ट्रेनों में भी बड़ी मुश्किल से अब सफर कर पाते हैं, क्योंकि किराए बढ़ चुके हैं। दूसरी तरफ जिन लोगों के पैरों में महंगे जूते—चप्पल हैं, उनके लिए भी हवाई यात्रा करना इस समय नामुमकिन बना दिया गया है। त्योहार के मौसम में एक तरफ ट्रेनों में आरक्षित सीट मिलना दूभर है, दूसरी तरफ घरेलू हवाई टिकटों की कीमत आसमान छू रही है। इसी तकलीफ को लेकर एक जनहित याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हुई। जिसमें हवाई किराये में 700 प्रतिशत तक की वृद्धि का आरोप लगाते हुए अदालत से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई थी। लेकिन सोमवार 2 नवंबर को याचिका का उल्लेख किए जाने पर जस्टिस विक्रमनाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा, मत करिए हवाई यात्रा। चलिए आगे बढ़िए, अगला केस। यह जवाब काफी सुना—सुना सा लगता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी तो प्याज महंगी होने पर कहा था कि मैं प्याज नहीं खाती। संक्षेप में आम जनता के लिए संदेश यही है कि अगर आपको खाने—पीने की चीजें महंगी लग रही है, तो मत खाइए। सरकारी अस्पताल में सुविधा नहीं है तो निजी अस्पताल जाइए, वहां भी इलाज महंगा लगे तो बीमार बने रहिए। स्कूल महंगे लगें तो बच्चों को मत पढ़ाइए। टिकट महंगी है तो विमान से नहीं ट्रेन से जाइए, उसमें भी तकलीफ है तो जहां हैं, वहीं रहिए, भले त्योहार रहे या किसी गम अथवा खुशी में अपने परिवार के पास जाना हो, मन मारिए और सफर मत करिए। मतलब यही कि आपकी यात्रा, खान—पान, इलाज, शिक्षा, मनोरंजन, साफ हवा—पानी, अच्छी सड़क ये सब सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, आप सरकार की जिम्मेदारी नहीं हैं। अपना इंतजाम खुद करिए।

मोदी सरकार ने ऐसा लोकतंत्र बना दिया है जिसमें लोक और तंत्र दोनों दृश्य से गायब होते जा रहे हैं। बेशक महंगी विमान यात्रा पर दायर मूल जनहित याचिका पर 16 नवंबर की तारीख सुनवाई के लिए तय है, जो सामाजिक कार्यकर्ता एस. लक्ष्मीनारायण की तरफ से दायर की गई है। लेकिन तब तक दिवाली, भाई दूज और छठ पूजा के दौरान होने वाली अतिरिक्त त्योहार यात्राएं पूरी हो चुकी होंगी। इसलिए उसी लंबित जनहित याचिका के हिस्से के रूप में इस आवेदन को अदालत में लगाया गया। मूल याचिका में विमानन क्षेत्र में पारदर्शिता, यात्रियों के हितों की सुरक्षा और हवाई किराये में अप्रत्याशित उतार—चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए नियामक व्यवस्था बनाने की मांग की गई है। लेकिन अभी अदालत से मांग की गई थी कि मामले को तत्काल सुनवाई के लिए ले, जो सामाजिक कार्यकर्ता एस. लक्ष्मीनारायण की तरफ से दायर की गई है। लेकिन तब तक दिवाली, भाई दूज और छठ पूजा के दौरान होने वाली अतिरिक्त त्योहार यात्राएं पूरी हो चुकी होंगी। इसलिए उसी लंबित जनहित याचिका के हिस्से के रूप में इस आवेदन को अदालत में लगाया गया। मूल याचिका में विमानन होती है, 6 नवंबर की यात्रा के लिए 78,694 रुपये तक पहुंच गया। वहीं बेंगलुरु—दिल्ली का किराया जो रुपए 15,901 होता था वो दोपहर में रुपए 40,506 जा पहुंचा। मुंबई—दिल्ली का किराया रुपए 11,531 से सीधे 60,577 जा पहुंचा है जबकि दिल्ली—मुंबई का किराया रुपए 5,223 से सीधे 26,793 जा पहुंचा है। विमानन कंपनियां हवाई किराये में बढ़ोतरी के लिए एविएशन टर्बाइन फ्यूल यानी विमान ईंधन की बढ़ती कीमतों को जिम्मेदार बताती रही हैं। महंगे ईंधन के कारण कुछ बढ़ोतरी तो उचित हो सकती है, लेकिन इससे सामान्य किराये के मुकाबले सात गुना तक कीमत बढ़ाना गलत है। आवेदन में रेलवे, आवश्यक दवाओं और बिजली की कीमतों का उदाहरण देते हुए कहा गया है कि इन क्षेत्रों में कीमतों पर नियामक नियंत्रण मौजूद है। ■ विकास पंडित

पशुपालन और डेयरी उद्योग से बढ़ेंगे ग्रामीण स्वरोजगार के अवसर : ज्ञानेन्द्र सिंह

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बलिया। जनपद के चिलकहर ब्लॉक अंतर्गत जिगनी खास गांव में बुधवार को बनास डेयरी का भव्य उद्घाटन हुआ। मुख्य अतिथि बलिया के जिलाधिकारी (डीएम) ज्ञानेन्द्र सिंह ने दोपहर करीब 3 बजे फीता काटकर डेयरी का विधिवत शुभारंभ किया। उद्घाटन के उपरांत जिलाधिकारी ने पूरी डेयरी इकाई का निरीक्षण किया और परिसर में पीपल का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। समारोह को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में गुजरात की तर्ज पर श्वेत क्रांति का विस्तार किया जा रहा है। सरकार हर जिले और ब्लॉक स्तर पर डेयरी तथा पशुपालन व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए उन्नत नस्ल के गोवंश, कृत्रिम गर्भाधान की आधुनिक तकनीक और सहकारी समितियों को सुदृढ़ करने के लिए नई लैक्स स्थापित की जा रही हैं।

युवाओं को मिलेगा ब्याज मुक्त लोन

डीएम ने युवाओं से नौकरी पर निर्भर रहने के बजाय खुद का व्यवसाय शुरू करने की अपील की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत युवाओं को कारोबार शुरू करने के लिए 5 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण (बिना गारंटी के 4 वर्ष के लिए) दिया जा रहा है, जिसे भविष्य में बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने की योजना है। इसके लिए ब्लॉक स्तर पर ट्रेनिंग सेमिनार भी आयोजित किए जा रहे हैं।

खेती के साथ अपनाएं अतिरिक्त आय के स्रोत

जिलाधिकारी ने किसानों को पारंपरिक खेती के साथ–साथ आय बढ़ाने के अन्य विकल्प अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसान डेयरी, मुर्गी पालन, बकरी पालन और मछली पालन जैसे व्यवसायों से जुड़कर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकते हैं। इसके अलावा गोबर से वर्मी कंपोस्ट (केंचुआ खाद) और बायोगैस प्लांट लगाकर भी अतिरिक्त मुनाफा कमाया जा सकता है। इस अवसर पर क्षेत्र के तमाम गणमान्य नागरिक, प्रगतिशील किसान और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएचसी लहरपुर में 25 पोषण पोटलियों का वितरण किया गया

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। टीबी मरीजों के पोषण स्तर में सुधार एवं उपचार के दौरान आवश्यक पोषण सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से PSI Indi द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लहरपुर में 25 पोषण पोटलियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अरविंद बाजपेयी, (एसटीएस) इन्द्रेश रितेश PSi Indi की ओर से प्रतिभा मिश्रा दीपक मौर्या रजत शुक्ला उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि टीबी मरीजों के लिए संतुलित पोषण उपचार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। पोषण पोटलियों के माध्यम से मरीजों को आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध होंगे जिससे उनके स्वास्थ्य लाभ एवं उपचार परिणामों में सकारात्मक सुधार आएगा। कार्यक्रम के दौरान मरीजों को नियमित दवा सेवन पौष्टिक आहार एवं उपचार पूर्ण करने के लिए भी प्रेरित किया गया।

प्रस्ताव आने पर शिव मंदिर पुनरुद्धार में मिलेगा पूर्ण सहयोग



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सलेमपुर, देवरिया। नगर पंचायत मझौली राज में लगभग 450 वर्ष पूर्व गुरु नानक देव जी के बड़े पुत्र श्री चंद्र जी महाराज द्वारा स्थापित गुरुद्वारा और शिवालय उपेक्षित पड़ा हुआ है। इसके लिए नगर के जागरूक समाजसेवियों ने सार्वजनिक रूप से संयुक्त बैठक करके के इसके पुनरुद्धार के लिए मांग की। इस संबंध में नगर पंचायत अध्यक्ष रानी बिंदु मल्ल के प्रतिनिधि अभिषेक कुमार मल्ल ने बताया कि संबंधित पक्ष से विधिवत प्रस्ताव आने पर नगर पंचायत की ओर से इसके पुनरुद्धार के लिए पूरा सहयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह नगर का सौभाग्य है कि इतना प्राचीन शिवालय,गुरुद्वारा यहां स्थापित है और इससे ह्म सभी की श्रद्धा इससे जुड़ी हुई है। उन्होंने आगे कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय होगा कि हम सभी मिलजुल कर अपने गौरवशाली इतिहास को पुनर्जीवित करने का सामूहिक प्रयास करें। उन्होंने संबंधित पक्ष से इस विषय में प्रस्ताव देने को कहा है।

डीएम ने दो संपत्तियों के स्टाम्प मूल्यांकन का किया सत्यापन, कमी पर कार्रवाई के निर्देश



लोक हस्तक्षेप संवाददाता, देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने बुधवार को क्रय–विक्रय की दो संपत्तियों के स्टाम्प मूल्यांकन का मौके पर सत्यापन किया। उन्होंने रजिस्ट्री से पूर्व नियमानुसार जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विशुपुरा तहसील में विक्रेता गिरजाशंकर व अन्य और क्रेता बिन्दु देवी के बैनामे में 2.15 लाख रुपये स्टाम्प शुल्क की कमी मिली, जिस पर एआईजी स्टाम्प को विधिक कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं मेहड्ड नगर बाहर टप्पा धतुरा स्थित व्यवसायिक भवन कल्पनाथ टावर के बैनामे में स्टाम्प प्रलेखानुसार सही पाया गया। निरीक्षण मेंसहायक महानिरीक्षक निबंधन अजय धर्मपाल सिंह और उप निबंधक मौजूद रहे।

सेतु निगम के कार्यों में धीमी प्रगति पर डीएम नाराज, ईई को प्रतिकूल प्रविष्टि के निर्देश

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने सेतु निगम की 10 निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा में धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी जताते हुए अधिशासी अभियंता को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। सुधार न होने पर निलंबन की चेतावनी दी।डीएम ने कहा कि सेतु निगम के कार्यों में शिथिलता बर्दाश्त नहीं होगी, सभी कार्य समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण पूरे हों। भटनी रेलवे ओवरब्रिज सहित अन्य कार्यों में भी प्रगति धीमी मिलने पर नाराजगी जताई। समीक्षित परियोजनाओं में भदिला पहुंच मार्ग 31.31 करोड़, कंचनपुर बघौचघाट 23.96 करोड़, सलेमपुर नवलपुर–मझौली सेतु 36.67 करोड़, देवरिया–कसया ओवरब्रिज 15.03 करोड़, भीखमपुर ओवरब्रिज 72.03 करोड़, भरहे चौराहा 24.99 करोड़, हेतिमपुर 23.78 करोड़, रायबारी 15.83 करोड़, महुआपाटन 17.47 करोड़ और भटनी आरओबी 38.13 करोड़ की लागत वाली परियोजनाएं शामिल हैं।

एडीएम ने बैतालपुर क्रय केंद्र का किया निरीक्षण किसान के रूप में किया पंजीकरण



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। खरीफ विपणन वर्ष 2026–27 में धान खरीद की तैयारियों का जायजा लेने एडीएम वित्त एवं राजस्व पंकज प्रकाश राठौर ने बुधवार को बैतालपुर धान क्रय केंद्र का निरीक्षण किया।

उन्होंने केंद्र पर किसानों के पंजीकरण की स्थिति देखी और स्वयं पंजीकरण प्रक्रिया करके बारीकियों को समझा। केंद्र प्रभारी को अधिक से अधिक किसानों को जागरूक कर पंजीकरण कराने और धान खरीद की सभी तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए, ताकि बिक्री में किसानों को कोई परेशानी न हो।

डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए पेंशनरों को किया जागरूक



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। कोषागार देवरिया में राष्ट्रीय डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान के तहत पेंशनरों को डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए जागरूक किया गया। हेल्पडेस्क के माध्यम से वेबसाइट, आधार ऐप और जीवन प्रमाण ऐप के उपयोग की जानकारी दी गई। वरिष्ठ कोषाधिकारी ने बताया कि पेंशनर https://jeevanpramaan-gov-in पर बैंक खाता, पीपीओ और आधार नंबर से प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं। स्मार्टफोन में फिंगर थंब फेस ऑथेंटिकेशन और उमंग ऐप से बायोमेट्रिक सत्यापन की सुविधा भी है, जिससे कोषागार आने की जरूरत नहीं होगी। जीवन प्रमाण पत्र साल में एक बार किसी भी माह जमा किया जा सकता है। पीपीओ नंबर न पता होने पर https://koshvani-up-nic-in पर बैंक खाता विवरण से जानकारी मिल सकती है।

सलेमपुर में तीन दिवसीय अंतरिक्ष दर्शन मेला शुरू

PSLV&GSLV मॉडल और रॉकेट लॉन्चिंग बनी आकर्षण



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सलेमपुर, देवरिया। हरैया स्थित R-L- Academy Senior Secondary School में तीन दिवसीय अंतरिक्ष दर्शन मेले का शुभारंभ हुआ। Space Darshan Pvt- Ltd- के सहयोग से आयोजित मेले में मोबाइल प्लैनेटेरियम (नक्षत्रशाला) के माध्यम से छात्रों को ग्रह, उपग्रह, सौरमंडल और ब्रह्मांड की दुनिया अत्याधुनिक दृश्य माध्यम से दिखाई जा रही है। 25 मिनट के इस शो में छात्र अंतरिक्ष यात्रा जैसा अनुभव ले रहे हैं। मेले का मुख्य आकर्षण छात्रों द्वारा तैयार C&Class Solid Motor Rocket का सफल प्रक्षेपण रहा। इसके अलावा ISRO की उपलब्धियों को दर्शाने वाले PSLV, GSLV और उत्तर प्रदेश के पहले हाई–पावर रॉकेट के विशाल मॉडल प्रदर्शित किए गए, जिससे छात्रों को रॉकेट की संरचना, मोटर तकनीक और असेंबली की जानकारी मिली।

विद्यालय के डायरेक्टर संदीप श्रीवास्तव ने बताया कि उद्देश्य बच्चों में वैज्ञानिक सोच और जिज्ञासा विकसित करना है। स्कूल मsa Space Lab के साथ AI एवं Robotics Lab की स्थापना भी शुरू की गई है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि SDM सलेमपुर क्षितिज द्विवेदी, Space Darshands CEO रघुवीर गुप्ता, अमित गुप्ता, आकाश राव मौजूद रहे। प्राचार्य संजय पांडेय ने कहा कि ऐसे आयोजन भविष्य के वैज्ञानिकों को प्रेरित करेंगे। संचालन शिक्षक मोहम्मद अकरम ने किया। यह मेला तीन दिनों तक चलेगा।

घटतौली पर कोटेदार के साथ पूर्ति निरीक्षक की भी तय होगी जिम्मेदारी : डीएम



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने कलेक्ट्रेट में आपूर्ति, खाद्य–रसद, बाट–माप और मंडी विभाग की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राशन वितरण समय पर हो, कोटेदार घटतौली न करें। पूर्ति निरीक्षक प्रभावी निगरानी करें, शिकायत पर कोटेदार के साथ निरीक्षक पर भी कार्रवाई होगी।

डीएम ने रिक्त राशन दुकानों का आवंटन 3 माह के भीतर पूरा करने, राशन कार्ड और आधार सीडिंग कार्य तेज करने के निर्देश दिए। बाट–माप और पेट्रोल पंपों पर घटतौली रोकने के लिए अभियान चलाकर जांच करने को कहा।

किसानों का अधिक से अधिक पंजीकरण कराने, मंडी में जागरूकता शिविर लगाने और योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से पात्रों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम वित्त पंकज प्रकाश राठौर, डीएसओ, डिप्टी आरएमओ सहित अधिकारी मौजूद रहे।

तालाब में मरी मछलियां नहीं हटाई गईं

बांदा,संवाददाता। जिले के कमासिन ब्लॉक की बेरियां ग्राम पंचायत के पिरकी तालाब में एक हफ्ते से ज्यादा समय से मरी मछलियां पड़ी हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, तालाब मेंकरीब तीन क्विंटल मछलियां मर चुकी है। उनकी दुर्गंध से आसपास रहने वाले लोग परेशान हैं।

12 सूत्रीय मांगों को लेकर बाल्मीकि समाज ने सौंपा ज्ञापन



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सलेमपुर, देवरिया। बाल्मीकि समाज उत्तर प्रदेश ने पेंशन, आवास, रोजगार सहित 12 सूत्रीय मांगों को लेकर मंगलवार को राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी क्षितिज द्विवेदी को सौंपा। प्रदेश अध्यक्ष राजेश रावत बाल्मीकि के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में विधवा, वृद्ध और दिव्यांग पेंशन 1 हजार से बढ़ाकर 3 हजार रुपये करने, पीएम आवास योजना में 5 लाख रुपये देने, संविदा–आउटसोर्सिंग कर्मियों को नियमित कर पूर्ण वेतन देने, होमगार्डों को पुलिस के समान वेतन–सुविधा और पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग की गई। पारिवारिक लाभ और शादी अनुदान राशि 1–1 लाख करने, बेरोजगारों को 10 हजार मासिक भत्ता देने, डिग्री कॉलेजों की लंबित छात्रवृत्ति जारी करने की मांग उठाई गई।

ज्ञापन में सलेमपुर सीएचसी में मरीजों से दुर्व्यवहार, नगर निकायों में सफाईकर्मियों के उत्पीड़न, सलेमपुर नगर पंचायत में महिलाओं से दुर्व्यवहार और रजिस्ट्री कार्यालय में स्टांप पेपर के नाम पर अवैध वसूली व भ्रष्टाचार की जांच कर कार्रवाई की मांग भी शामिल है।

औद्योगिक विकास के लिए भूमि चिह्नित कर परियोजनाओं में लाएं तेजी : डीएम



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने कलेक्ट्रेट में औद्योगिक क्षेत्र के विकास को लेकर जीएम डीआईसी, यूपीसीडा अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने औद्योगिक विकास के लिए भूमि चिह्नित कर प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति लेने और कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। डीएम ने औद्योगिक क्षेत्रों में सड़क, नाली, पार्क सहित आधारभूत सुविधाएं विकसित करने पर जोर दिया और उसरा बाजार औद्योगिक क्षेत्र में मुख्य द्वार का निर्माण समय से पूरा कराने को कहा।

उन्होंने जीएम डीआईसी एन सिद्दीकी को मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत अधिक से अधिक युवाओं को ऋण देकर स्वरोजगार से जोड़ने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम वित्त पंकज प्रकाश राठौर सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

शाम ढलते ही सलेमपुर–देवरिया के बीच ठप हो जाती है परिवहन सेवा, यात्रियों की बढ़ती परेशानी

□ रात सात बजे के बाद मरीजों, तीमारदारों को आवागमन में उठानी पड़ती है भारी दिक्कत

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सलेमपुर, देवरिया। तहसील मुख्यालय और लार टाउन से जिला मुख्यालय देवरिया आने–जाने वाले यात्रियों को शाम ढलते ही परिवहन की समस्या से जूझना पड़ता है। आरोप है कि शाम सात बजे के बाद परिवहन निगम की बसें उपलब्ध नहीं होने से यात्रियों को निजी साधनों का सहारा लेना पड़ता है। इसका सबसे अधिक असर मरीजों और उनके तीमारदारों पर पड़ता है, जिन्हें रात में आवागमन के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस समस्या को लेकर अभिनीत उपाध्याय प्रदेश महासचिव भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस उत्तर प्रदेश ने



तीन नवंबर को परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक, गोरखपुर को पत्र भेजकर सलेमपुर से देवरिया के बीच रात दस बजे तक बस सेवा संचालित कराने की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि शाम सात बजे के बाद जिला मुख्यालय तक पहुंचने के लिए सार्वजनिक परिवहन की सुविधा नहीं मिल पाती, जिससे लोगों को रात में घर लौटने में भी कठिनाई होती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि देवरिया जिला मुख्यालय पर इलाज, सरकारी कार्यों और अन्य जरूरी कामों से आने–जाने वाले लोगों को नियमित बस सेवा की आवश्यकता है। ऐसे में परिवहन निगम को यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सलेमपुर–देवरिया मार्ग पर रात दस बजे तक बसों का संचालन सुनिश्चित करना चाहिए।

टिकट मिला तो 5 साल में बदलूंगा सलेमपुर की तस्वीर : प्रमोद गौतम



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सलेमपुर, देवरिया। 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर सपा जिला सचिव प्रमोद गौतम ने सलेमपुर सुरक्षित सीट के लिए अपना 17 सूत्रीय विकास विजन जारी किया है। गौतम ने कहा कि पार्टी ने टिकट दिया और जनता ने आशीर्वाद दिया तो 5 साल में प्रस्तावित कार्य प्राथमिकता से कराएंगे। विजन में सलेमपुर को नगर पालिका बनाना, न्यायालय सुविधाओं का विस्तार, नहरों–सड़कों का सुधार और बंद ट्रांसफार्मर चालू कराना शामिल है।

स्वास्थ्य में सरकारी अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टर, 100 बेड का मुख्य वार्ड, 50 बेड का महिला वार्ड और जर्जर भवन के स्थान पर नया आधुनिक अस्पताल बनाने का प्रस्ताव है।

सड़क–यातायात में नदवार से प्यासी और मोहर भाई चौक से नदवार घाट तक टू–लेन सड़क, डिवाइडर, स्ट्रीट लाइट, नदवार घाट से मझौलीराज तक गंडक नदी पर पुल और रिंग रोड से जाम से निजात का वादा है। शिक्षा में लार–पिंडी में आवासीय कन्या इंटर कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, स्टेडियम और विश्वविद्यालय की स्थापना, प्राथमिक–जूनियर स्कूलों में सीसीटीवी और आधुनिक सुविधा तथा पटनेजी बांध से मेहरौना तक पिच मार्ग बनवाने की योजना है।

पुरानी बैसाखी देख डीएम ने लिया संज्ञान, तत्काल दिलाई नई बैसाखी

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी की संवेदनशीलता फरियाद लेकर पहुंचे तो डीएम की नजर उनकी पुरानी बैसाखी पर पड़ी। डीएम ने तत्काल जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी को फोन कर नई बैसाखी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए और स्वयं रामबली को बैसाखी सौंपी। नई बैसाखी पाकर भावुक रामबली ने आभार जताया, कहा अब आने–जाने में सुविधा होगी। मौजूद लोगों ने डीएम की मानवीय पहल की सराहना की।



जनता दर्शन में दिखी। पथरदेवा बाजार निवासी रामबली यादव पत्नी के साथ

सृष्टि सिंह का तमिल डेब्यू, बोलीं– दर्शना सिर्फ मां नहीं, एक इंडिपेंडेंट महिला है



अभिनेत्री सृष्टि सिंह आगामी तमिल मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म जॉन डो से तमिल सिनेमा में अपना डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म में अभिनेत्री दर्शना नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं। सृष्टि ने बताया कि दर्शना का किरदार उन्हें इतना पसंद आया कि वह खुद को इस फिल्म को करने से रोक नहीं पाईं। अभिनेत्री ने कहा कि एक एक्टर के तौर पर वह खुद से अलग तरह का किरदार निभाना चाहती थीं और दर्शना का किरदार उनके लिए कुछ वैसा ही था। उन्होंने कहा, जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी और दर्शना को समझा, तो जाना कि वह असल जिंदगी में मुझसे बिल्कुल अलग है और यही बात मुझे सबसे पहले इस रोल की तरफ खींच लाई। एक एक्टर के तौर पर आप अलग–अलग किरदार निभाना चाहते हैं, खासकर ऐसे किरदार जो आपकी अपनी जिंदगी और हकीकत से बिल्कुल अलग हों। उन्होंने आगे कहा, यह किरदार मुझे इतना पसंद आया कि इसे निभाने की मेरी उत्सुकता और भी ज्यादा बढ़ गई। हालांकि, मेरे साथ पहले ऐसा कभी हुआ नहीं है। मुझे पता था कि दर्शना को समझने, उसके अनुभवों को अपनाने और इस किरदार को अपना बनाने के लिए मुझे एक पूरी प्रोसेस से गुजरना होगा, जो मेरे लिए काफी एक्साइटिंग रही। अभिनेत्री सृष्टि सिंह ने अपने किरदार के बारे में बताते हुए कहा, हमारी इंडस्ट्री में कई बार एक्टर्स को उनके किरदारों के हिसाब से एक ही तरह के रोल में डाल दिया जाता है, लेकिन दर्शना एक ऐसी मां है, जिसने अपने जीवन में बहुत कुछ झेला है और अपने परिवार, पति और बच्चों से जुड़ी कई चुनौतियों से जूझ रही है। उसकी अपनी परेशानियां और अपने तजुर्बे हैं। सबसे अहम सवाल यह है कि वह उनसे कैसे बाहर निकलती है। मेरे लिए दर्शना एक इंडिपेंडेंट महिला थी, जिसकी अपनी एक जर्नी है। मैंने उसे सिर्फ एक मां के नजरिए से नहीं, बल्कि इसी नजरिए से समझने की कोशिश की। दर्शना एक ऐसी महिला है, जिसने अपनी जिंदगी में बहुत कुछ खोया है (जितना कोई सोच भी नहीं सकता), लेकिन इन सब दुखों के बावजूद वह अपने परिवार के लिए एक मजबूत स्तंभ बनकर खड़ी रहती है। मधुमिता द्वारा निर्देशित फिल्म में सृष्टि सिंह के अलावा, जारा विनीत चंदोके और नीरव जैसे कलाकार भी इस फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

अचानक से बदलने लगा मौसम का मिजाज ? इन तरीकों से खुद को रखें स्वस्थ



मौसम कभी भी अपना मिजाज बदल सकता है, खासकर अक्टूबर के महीने में, जब बारिश हो रही है और गर्मी–सर्दी पड़ रही है। इस दौरान अचानक से बारिश और ठंड बढ़ जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकती है। ऐसे में खुद को इन बदलावों के लिए तैयार रखना जरूरी है। आइए आज हम आपको इसके लिए 5 आसान तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप खुद को स्वस्थ बनाए रख सकते हैं।

सही कपड़े पहनें

अचानक से हो रही बारिश और ठंड से बचने के लिए सही कपड़े पहनना सबसे जरूरी है। हल्के और पानी से बचाने वाले कपड़े चुनें, जैसे कि बरसाती या जैकेट। इसके अलावा ऊनी शॉल या स्कार्फ भी पहन सकते हैं, जो आपको गर्म रखेगा। सूती कपड़े भी अच्छे होते हैं, क्योंकि ये त्वचा को हवा लगने देते हैं और पसीना सोखते हैं। इसके साथ ही मोजे और टोपी भी पहनें, ताकि शरीर का तापमान संतुलित रहे।

छाता साथ रखें

जब मौसम खराब हो तो घर से बाहर निकलते समय छाता या बारिश से बचाने वाला रेनकोट साथ रखें। इससे आप बारिश से बच सकेंगे और गीले होने से बचेंगे। अगर आप कहीं लंबी यात्रा कर रहे हैं तो बारिश से बचाने वाला बैग ज्यादा सुविधाजनक हो सकता है, क्योंकि इसे ले जाना आसान होता है और इसमें आपके सभी सामान भी सुरक्षित रह सकते हैं।

छाते आपके लिए उपयोगी हो सकते हैं।

स्वास्थ्य का रखें ध्यान

बारिश के मौसम में ठंड अधिक रहती है, इसलिए खुद को गर्म रखने के साथ–साथ अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है। इसके लिए पानी पीते रहें, विटामिन–ए–ट वाले फलों का सेवन करें और नियमित रूप से हाथ धोएं। इसके अलावा ताजे फलों और सब्जियों का सेवन करें। अगर आप बीमार महसूस कर रहे हैं तो डॉक्टर से संपर्क करें और खुद को आराम दें।

ठंड से बचने के लिए गर्म पानी से नहाएं।

घर के अंदर रहें

अगर मौसम बिगड़ रहा हो और बाहर जाना जरूरी न हो तो घर पर रहना ही बेहतर है। इससे आप बारिश और ठंड से सुरक्षित रहेंगे। घर पर रहकर आप अपने काम भी आसानी से कर सकते हैं। इसके अलावा घर पर रहकर आप अपने परिवार संग समय बिता सकते हैं और उनके साथ सुरक्षित महसूस कर सकते हैं। घर पर रहकर आप अपनी सेहत का भी ध्यान रख सकते हैं और बीमारियों से बचे रह सकते हैं।

मौसम की जांच करें

आधुनिक तकनीक की मदद से मौसम की जानकारी पाना बहुत आसान हो गया है। अपने फोन पर मौसम की जानकारी देने वाले ऐप्स डाउनलोड करें या टीवीचैनेडियो पर मौसम की खबरें सुनें। इससे आपको पता रहेगा कि कब बारिश होनी है और कब नहीं, जिससे आप खुद को बेहतर तरीके से तैयार कर सकेंगे। इस तरह आप इन 5 तरीकों से बदलते मौसम से निपट सकते हैं और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख सकते हैं।

ईठा का धांसू ट्रेलर रिलीज, आखिर किसने तोड़ा विठाबाई नारायणगांवकर का विश्वास

स्त्री फ्रैंचाइजी के बाद श्रद्धा कपूर लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी ईठा में नजर आने वाली हैं. मेकर्स ने इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया, जिसमें श्रद्धा कपूर मशहूर तमाशा और लावणी कलाकार विठाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर के किरदार में नजर आ रही हैं. दर्शकों की भारी भीड़ के सामने शानदार प्रदर्शन से लेकर दिल टूटने और निजी दुखों के पलों तक, यह ट्रेलर एक ऐसी कलाकार के जीवन के कई पहलुओं को दिखाता है, जिसकी पूरी जिंदगी उसकी कला के इर्द–गिर्द ही घूमती थी. मेकर्स ने सोशल मीडिया पर ईठा का ट्रेलर अपलोड किया और फैंस को बताया, पर्दा उठ चुका है, तमाशा सज चुका है. ट्रेलर रिलीज हो गया है. ट्रेलर की शुरुआत श्रद्धा से होती है, जो पारंपरिक लावणी ड्रेस पहने मंच पर प्रस्तुति दे रही हैं और बड़ी संख्या में लोग उन्हें देख रहे हैं. इसमें दर्शकों के हाथों में रोशनी, भव्य मंच और लोक संगीत की धुन पर नाचतीं एक्ट्रेस के सीन दिखाई देते हैं. प्रसिद्धि की झलक दिखाने के बाद ट्रेलर में ईठा की जिंदगी का वो सीन दिखाया जाता है, जहां वह पूरी तरह से टूट गई होती हैं. एक सीन में श्रद्धा का किरदार कहता है, तुम्हीं ने कहा था ना, देखते हैं क्या टूटता है, मेरा भरोसा या मेरा घमंड? मेरा भरोसा ही मेरा घमंड था रे, जब वो टूट गया ना सब टूट गया. डायलॉग से पता चलता है कि टूटे भरोसे ने उसे चकनाचूर कर दिया है. ट्रेलर में एक तरफ एक मशहूर कलाकार के रूप में उनकी सार्वजनिक छवि दिखाई गई है, तो दूसरी तरफ मंच से दूर उन्हें किन मुश्किलों का सामना करना पड़ता है. फिर उनके साथी एक बार फिर से खुद पर भरोसा करने के लिए प्रेरित करते हैं, ताकि वो एक बार फिर जिंदगी में उठ खड़ी हो. वे प्रेरित ईठा को प्रेरित करते हैं कि उनसे नाच के मुकाबले में तकदीर भी नहीं जीत सकती है। इसके बाद एक बहुत ही दमदार सीन आता है, जिसमें उन्हें उनके ही कहे शब्द याद दिलाए जाते हैं, पड़े–पड़े मरी को बेचारी कहलाऊंगी, पर नाचते हुए मरी तो मिशाल बन जाऊंगी. ट्रेलर में विठाबाई के परिवार और निजी रिश्तों की झलक भी देखने को मिलती हैं।

धनतेरस पर समृद्धि और सकारात्मकता का स्वागत करने को लेकर अनमोल टीवी के 'हमारी राधा' के अभिनेता अक्षय म्हात्रे ने साझा किए अपने विचार



वर्ष के सबसे बड़े त्यौहारों में से एक दिवाली की शुरुआत धनतेरस के साथ होती है। यह त्यौहार अपने साथ समृद्धि, नई शुरुआत और पुरानी परंपराओं की खुशियाँ लेकर आता है। इस दिन कुछ कीमती चीज घर लाने से लेकर सालों पुरानी परंपराओं को निभाने तक, धनतेरस उम्मीद, खुशी और सौभाग्य का प्रतीक है। त्यौहार की इसी रौनक के बीच, जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (ZEE) के फ्री–टू–एयर (FTA) हिंदी जनरल एंटरटेनमेंट चैनल अनमोल टीवी के पहले ओरिजिनल शो 'हमारी राधा' में गिरधर का किरदार निभा रहे अक्षय म्हात्रे ने बताया कि उनके लिए धनतेरस क्यों खास है और वे इस त्यौहार को कैसे मनाते हैं। हालाँकि, पर्दे पर गिरधर की जिंदगी में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। वह शनाया (वैदेही नायर) के करीब आता जा रहा है, वहीं कभी उसके धोखे से दिल टूटने के बाद अब राधा (सिमरन कौर) ने उससे मुकाबला करने का फैसला किया है। वह बदला लेने और गिरधर को वापस पाने की उम्मीद के साथ आगे बढ़ रही है।

अपने विचार साझा करते हुए, अक्षय म्हात्रे कहते हैं, "धनतेरस दिवाली की शुभ शुरुआत का प्रतीक है। दिवाली हमारे देश के सबसे बड़े और पसंदीदा त्यौहारों में से एक है। परंपरा के अनुसार, इस दिन लोग सोना, चाँदी या अपने लिए कोई भी विशेष वस्तु खरीदकर घर लाते हैं और सुख–समृद्धि व सौभाग्य के लिए पूजा करते हैं। मेरा मानना है कि धनतेरस का त्यौहार सिर्फ सोना खरीदने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह अपने जीवन में सकारात्मकता और खुशहाली का स्वागत करने का अवसर भी है। आप घर में जो भी वस्तु लेकर आते हैं, उससे जुड़ी भावना और विश्वास ही सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। धनतेरस के साथ त्यौहारों के इस मौसम की रौनक, उत्साह और अपनों के साथ मिलने–जुलने की खुशियाँ शुरू हो जाती हैं। दिवाली कुछ ही दिनों में आने को है, ऐसे में मैं कामना करता हूँ कि सभी को खुशियाँ, अच्छी सेहत, समृद्धि और माँ लक्ष्मी का आशीर्वाद मिले।" देखिए 'हमारी राधा' हर रात 9:30 बजे, सिर्फ अनमोल टीवी पर।

केदारनाथ दर्शन विवाद में सारा अली खान के समर्थन में उतरीं सोनिया बंसल



अभिनेत्री सारा अली खान के केदारनाथ मंदिर में दर्शन करने को लेकर उठे विवाद के बीच शबिग बॉस 17व सेचर्चा में आईं अभिनेत्री सोनिया बंसल उनके समर्थन में सामने आई हैं। सोनिया ने कहा कि किसी भी व्यक्ति की धार्मिक आस्था उसका निजी मामला है। हर इंसान को अपनी इच्छा के अनुसार किसी भी धार्मिक स्थल पर जाकर प्रार्थना करने और आशीर्वाद लेने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। उन्होंने लोगों से धर्म के आधार पर किसी को परखने के बजाय प्रेम, इंसानियत और आपसी सम्मान को महत्व देने की अपील की। सोनिया ने कहा कि सारा अली खान एक अच्छी अभिनेत्री हैं और हमेशा अपने दिल की सुनती हैं। वह कई बार केदारनाथ जा चुकी हैं। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि सारा फिल्म स्केदारनाथध्य का हिस्सा रही हैं जिसमें मंदिर की पृष्ठभूमि में आस्था, प्रेम और इंसानियत की कहानी दिखाई गई थी। सोनिया के मुताबिक, आशीर्वाद लेने जैसी निजी बात को विवाद का विषय बनाना समझ से परे है। सारा भी अन्य लोगों की तरह प्रार्थना और मानसिक शांति की इच्छा रखती हैं। सोनिया ने कहा कि समाज में लोग बहुत जल्दी हर बात को धर्म से जोड़ देते हैं। यह सोचने की जरूरत है कि हम अपने बच्चों को कैसा समाज देना चाहते हैं। उन्हें लोगों से प्रेम करना, उन्हें अपनाना और उनका सम्मान करना सिखाया जाना चाहिए, न कि सबसे पहले उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर अंतर करना। उन्होंने कहा कि दुनिया आगे बढ़ रही है, लेकिन हम अब भी हिंदू और मुस्लिम पहचान को लेकर बहस में उलझे हुए हैं। समाज को इस सोच से आगे बढ़ने की जरूरत है। अभिनेत्री ने कहा कि मंदिर, मस्जिद और चर्च जैसे धार्मिक स्थल शांति, भक्ति और अपनापन महसूस करने की जगह है। यदि कोई मंदिर में सिर झुकाना चाहता है, मस्जिद में इबादत करना चाहता है या चर्च में जाकर सुकून पाना चाहता है, तो इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। प्रत्येक धार्मिक स्थल का सम्मान होना चाहिए और हर व्यक्ति को अपनी आस्था के अनुसार प्रार्थना करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी पहचान से पहले हम सभी इंसान हैं। सोनिया ने कहा कि यदि हम एक–दूसरे की आस्था का सम्मान नहीं कर सकते, तो आने वाली पीढ़ी के लिए कैसा समाज तैयार कर रहे हैं? किसी की नीयत पर धर्म के नाम पर सवाल उठाना दुखद है। आस्था बेहद निजी विषय है और जब कोई व्यक्ति भगवान के सामने खड़े होकर आशीर्वाद मांगता है, तो उसके मन में क्या चल रहा है, यह कोई दूसरा नहीं जान सकता। उन्होंने कहा कि सारा अली खान ने अपने अभिनय से दर्शकों का मनोरंजन किया है और लोगों के दिलों में जगह बनाई है।

ज्यादा खाने के बाद पाचन स्वास्थ्य को आराम देने के लिए अपनाएं ये सुझाव



कई लोग एक दिन में ज्यादा खाने के बाद असहज महसूस करते हैं और उनके पाचन पर भी असर पड़ता है। ज्यादा खाना पाचन प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है और इससे बचाव के लिए खुद को नियंत्रित करना चाहिए। इससे न केवल आपका मनोबल बढ़ेगा, बल्कि आप फिर से सही दिशा में कदम उठाने के लिए प्रेरित होंगे। आइए जानते हैं कि ज्यादा खाने के बाद पाचन को कैसे बहाल किया जा सकता है।

हल्का–फुल्का व्यायाम करें

ज्यादा खाने के बाद हल्का–फुल्का व्यायाम करना बेहतर होता है। इससे आपका पाचन तंत्र सक्रिय हो सकता है और अतिरिक्त कैलोरी जल सकती हैं। आप टहल सकते हैं या फिर कुछ हल्के खिंचाव वाले व्यायाम कर सकते हैं। इससे आपका शरीर सक्रिय रहेगा और आपको आराम महसूस होगा। इसके अलावा हल्के व्यायाम से आपका मन भी अच्छा रहेगा और आप फिर से सही दिशा में कदम उठाने के लिए प्रेरित होंगे।

पानी अधिक पिएं

ज्यादा खाने के बाद पानी पीना बहुत जरूरी है। पानी पीने से आपके शरीर से हानिकारक तत्व बाहर निकलते हैं और पाचन प्रक्रिया को आराम मिलता है। आप नारियल पानी या नींबू पानी भी पी सकते हैं, जो आपके शरीर को पोषण देता है और पानी की कमी नहीं होने देता। इसके अलावा पानी पीने से आपको ऊर्जा मिलती है और आप तरोताजा महसूस करते हैं। यह आपके शरीर को ठंडक भी पहुंचाता है। ज्यादा खाने के बाद अगले दिन हल्का भोजन करना बेहतर होता है। आप दही, खिचड़ी या सूप जैसी चीजें खा सकते हैं, जो आसानी से पच जाती हैं और आपके शरीर को पोषण देती हैं। इससे आपका पाचन तंत्र भी आराम करेगा और आपको भारीपन महसूस नहीं होगा। हल्का भोजन खाने से आप तरोताजा महसूस करेंगे और शरीर को ऊर्जा मिलेगी। इसके अलावा हल्का भोजन आपके शरीर को हानिकारक तत्वों से मुक्त करने में मदद करेगा।

आराम करें

ज्यादा खाने के बाद आराम करना बहुत जरूरी है। इससे आपका शरीर फिर से ऊर्जा प्राप्त कर सकता है और मानसिक शांति भी मिलती है। आप सो सकते हैं या फिर कुछ देर के लिए चुपचाप बैठ सकते हैं और गहरी सांस ले सकते हैं, जिससे आपका मन शांत रहेगा और आप तरोताजा महसूस करेंगे। आराम करने से आपके शरीर को ऊर्जा मिलेगी और आप फिर से सक्रिय होने के लिए प्रेरित होंगे।

सेंथिलकुमार ने ग्रेग लोबन को हराकर चेक ओपन का खिताब जीता

ब्रनो, एजेंसी। भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी वेलावन सेंथिलकुमार ने स्कॉटलैंड के टॉप सीड ग्रेग लोबन को हराकर यूएसडी 35,000 के चेक ओपन का खिताब जीत लिया है। यह एक पीएसए कॉप–लेवल टूर्नामेंट है। चौथे सीड वाले भारतीय, जो अभी दुनिया में 42वें नंबर पर हैं, ने दुनिया के 31वें नंबर के लोबन को 13–11, 11–5, 8–11, 11–7 से हराकर अपना 12वां पीएसए टूर टाइटल और कॉप लेवल पर दूसरा टाइटल जीता। सेंथिलकुमार ने अगस्त में बुडापेस्ट ओपन में इस कैटेगरी में अपना पहला टाइटल जीता था। सेंथिलकुमार को ट्रॉफी तक पहुंचने के लिए एक मुश्किल ड्रॉ से निपटना पड़ा, जिसकी शुरुआत ब्राजील के डिएगो गोब्बी पर दूसरे राउंड में जीत से हुई और फिर क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना के आठवें सीड जेरेमियास अजाना को 11–3, 11–8, 11–7 से हराया। उन्होंने इस मोमेंटम को आखिरी



चार में भी जारी रखा और फ्रांस के ऑगस्टे ड्यूसॉर्ड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय खिलाड़ी ने सेमीफाइनल 11–7, 12–10, 11–1 से जीतकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की कर ली। इस बीच, लोबन ने फ्रांस के तौफिक मेखाल्फी पर सीधे गेम में जीत के साथ अपनी आखिरी जगह पक्की कर ली, जिससे टूर्नामेंट के टॉप सीड और चौथे सीड के बीच मुकाबला तय हो गया। फाइनल सेंथिलकुमार के लिए एक कड़ी परीक्षा साबित हुआ, खासकर शुरुआती गेम में जो आखिर तक चला। भारतीय खिलाड़ी ने हिम्मत बनाए रखते हुए इसे 13–11 से अपने नाम किया और फिर दूसरे गेम में ज्यादा नियंत्रण हासिल करते हुए इसे 11–5 से जीत लिया। लोबन ने वापसी करते हुए तीसरा गेम 11–8 से अपने नाम किया, लेकिन सेंथिलकुमार ने संभलकर मुकाबला 11–7 से जीतकर ट्रॉफी अपने नाम किया। चेक ओपन की खिताबी जीत से पहले सेंथिलकुमार ने जापान के आइची–नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन किया था और दो ब्रॉन्ज मेडल जीते थे।? चेक ओपन की कामयाबी पीएसए टूर पर सेंथिलकुमार की निरंतरता को दिखाती है। वह लॉस एंजिल्स 2028 गेम्स में इस खेल के ओलंपिक डेब्यू की ओर बढ़ रहे हैं।

ग्रेग लोबन को हराकर चेक ओपन का खिताब जीता

ब्रनो, एजेंसी। भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी वेलावन सेंथिलकुमार ने स्कॉटलैंड के टॉप सीड ग्रेग लोबन को हराकर यूएसडी 35,000 के चेक ओपन का खिताब जीत लिया है। यह एक पीएसए कॉप–लेवल टूर्नामेंट है। चौथे सीड वाले भारतीय, जो अभी दुनिया में 42वें नंबर पर हैं ने दुनिया के 31वें नंबर के लोबन को 13–11, 11–5, 8–11, 11–7 से हराकर अपना 12वां पीएसए टूर टाइटल और कॉप्पर लेवल पर दूसरा टाइटल जीता। सेंथिलकुमार ने अगस्त में बुडापेस्ट ओपन में इस कैटेगरी में अपना पहला टाइटल जीता था। सेंथिलकुमार को ट्रॉफी तक पहुंचने के लिए एक मुश्किल ड्रॉ से निपटना पड़, जिसकी शुरुआत ब्राजील के डिएगो गोब्बी पर दूसरे राउंड में जीत से हुई और फिर क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना के आठवें सीड जेरेमियास अजाना को 11–3, 11–8, 11–7 से हराया।

रोहित–विराट के विकेट पहले ओवरों में लेने की कोशिश करेंगे

ऑकलैंड, एजेंसी। भारत के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही पांच वनडे मैचों की सीरीज में न्यूजीलैंड की सबसे बड़ी चिंता भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा के विकेट हैं। न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सैंटनर ने कहा है कि उनकी कोशिश सीरीज में कोहली और रोहित को शांत रखने की होगी। सैंटनर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे लगता है कि हम उन्हें हर मैच में शुरू में ही रोकने की कोशिश करेंगे। हमने इंडिया का टॉप ऑर्डर लंबे समय से देखा है। रोहित और कोहली का रोल टॉप पर काफी हार्ड खेलना और फिर बीच में एक अच्छा स्कोर बनाना और फिर आखिर में अपनी ताकत से रन बढ़ाना है। न्यूजीलैंड के कप्तान को उम्मीद है।

यशस्वी जायसवाल और यश राठौड़ का शतक, इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच दूसरा अनाधिकारिक टेस्ट ड्रॉ

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल फॉर्म में लौट आए हैं। न्यूजीलैंड ए के खिलाफ दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट की दूसरी पारी में दमदार शतक लगाते हुए जायसवाल ने न सिर्फ फॉर्म में वापसी की, बल्कि मैच को ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई। पिछली तीन पारियों में बेहद निराशाजनक प्रदर्शन करने वाले जायसवाल इस पारी में आक्रामक नजर आए। बाएं हाथ के इस सलामी बल्लेबाज ने मात्र 162 गेंदों पर 5 छक्कों और 15 चौकों की मदद से नाबाद 155 रन की पारी खेली। उन्हें चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए यश राठौड़ का अच्छा साथ मिला। राठौड़ ने भी शतक लगाते हुए 122 गेंदों पर 9 चौकों की मदद से 100 रन बनाए। जायसवाल और राठौड़ के बीच नाबाद 247 रन की साझेदारी हुई। भारत ए ने अपनी दूसरी



पारी में 2 विकेट पर 282 रन बनाए थे। टेस्ट के आखिरी दिन (मंगलवार) चाय के समय मैच को ड्रॉ घोषित किया गया। इंडिया ए ने अपनी पहली पारी में कप्तान ध्रुव जुरेल के 105, देवदत पडिक्कल के 80 और आकाशदीप के 68 रन की बदौलत 346 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 424 रन बनाकर इंडिया ए पर 78 रन की अहम बढ़त ली थी। दूसरी पारी में इंडिया ए ने जायसवाल और राठौड़ की शतकीय पारियों की बदौलत 52.4 ओवर में 2 विकेट पर 282 रन बनाए और मैच ड्रॉ घोषित किया गया। दोनों टीमों के बीच खेला गया पहला अनाधिकारिक टेस्ट भी ड्रॉ रहा था। तीसरा अनाधिकारिक टेस्ट 7 नवंबर से खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड को झटका, डेवोन कॉनवे भारत के खिलाफ पहला वनडे नहीं खेलेंगे

ऑकलैंड, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 5 वनडे मैचों की सीरीज बुधवार से शुरू हो रही है। टी20 सीरीज हार चुकी न्यूजीलैंड को पहले वनडे में बड़ा झटका है। अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे इंजरी की वजह से पहले वनडे से बाहर हो गए हैं। कॉनवे मंगलवार को ईडन पार्क में न्यूजीलैंड के प्री–मैच ट्रेनिंग सेशन के दौरान साथी तेज गेंदबाज मैट हेनरी से टकरा गए। हेनरी और कॉनवे की टक्कर कैच लेने की कोशिश में हुई। दोनों खिलाड़ियों का तुरंत मौके पर मौजूद मेडिकल स्टाफ ने इलाज किया। कॉनवे को कनकशन हुआ है। उनके सिर की चोट की जांच की गई। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, कॉनवे को आगे की जांच के लिए ए एंड ई ले जाया गया, जिसमें कनकशन की पुष्टि हुई, जिससे वह बुधवार को भारत के खिलाफ होने



वाले पहले वनडे से बाहर हो गए हैं। दोनों खिलाड़ियों पर नजर रखी जाएगी और भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में उनके शामिल होने पर भी नजर रखी जाएगी। न्यूजीलैंड के चोटिल खिलाड़ियों की सूची में कॉनवे का नाम सबसे नया है। ऑलराउंडर मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र पहले ही हैमस्ट्रिंग और कंधे की चोट के कारण वनडे सीरीज से बाहर हो चुके हैं। विकेटकीपर और ओपनर टिम सीफर्ट को पहले दो वनडे मैचों के लिए चुना गया था, लेकिन सोमवार को उन्हें भारत के खिलाफ पूरी वनडे सीरीज के लिए कीवी टीम में शामिल किया गया।

दाएं हाथ के चार बल्लेबाज टॉप–4 में सेट, अक्षर और केएल का इस्तेमाल मैच की स्थिति के मुताबिक : शुभमन गिल

ऑकलैंड, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार को 5 वनडे मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष–4 में खेलने वाले बल्लेबाज तय हैं और सभी दाहिने हाथ के बल्लेबाज हैं। शुभमन गिल ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमारे टॉप–4 में खेलने वाले बल्लेबाज तय हैं और सभी दाहिने हाथ के बल्लेबाज हैं। इसमें रोहित शर्मा, विराट कोहली और श्रेयस अय्यर और वे खुद शामिल हैं। नंबर 5 और नंबर 6 के बल्लेबाज में बदलाव हो सकता है। केएल राहुल या अक्षर पटेल मैच की स्थिति के मुताबिक 5 या 6 नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। उन्होंने कहा, नंबर 5 और नंबर 6 के लिए हमारी रणनीति



लचीली है। हमारे टॉप चार सेट हैं, सभी राइट–हैंडर हैं। इसलिए अगर लेफ्टी की जरूरत है, तो अक्षर और मैच की स्थिति के आधार पर केएल राहुल आ सकते हैं। शुभमन गिल ने स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पर अपनी राय रखते हुए कहा कि भारतीय टीम में लौटने से पहले उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। भारतीय कप्तान ने कहा, हार्दिक पंड्या जब वापस आएंगे, तो नंबर 7–8 का भी ध्यान रखा जाएगा। वह एक बेहतरीन ऑलराउंडर हैं। दुनिया में बहुत कम खिलाड़ियों के पास उनके जैसी स्किल है। एक गेंदबाज के तौर पर, आप उन्हें खेल के अलग–अलग हिस्सों में इस्तेमाल कर सकते हैं। वह नई और पुरानी गेंद से गेंदबाजी कर सकते हैं। उन्होंने कहा, हमारी कई बार बात हुई है। वह अपनी चोटों को लेकर बदकिस्मत हैं। वह आईपीएल के बाद से नहीं खेले हैं। उम्मीद है, वह जल्द ही इंडियन टीम में वापस आएंगे। वनडे सीरीज में रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी से इस सीरीज को लेकर दुनियाभर के क्रिकेट फैंस के बीच उत्साह है। वनडे मैचों के टिकट बिक चुके हैं। रोहित और विराट का संभवतरू ये आखिरी दौरा है।

डिज्नी लागत कम करने के उपायों के तहत हजारों कर्मचारियों की छंटनी पर कर रही विचार : रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी मनोरंजन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी डिज्नी लागत कम करने और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी पर विचार कर रही है। विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी के कुछ प्रबंधकों को अपने–अपने विभागों में वार्षिक खर्च में 20 प्रतिशत तक कटौती के विकल्प तलाशने के निर्देश दिए गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कदम ऐसे समय उठाया जा रहा है जब कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जोश डीएमारो मनोरंजन उद्योग के तेजी से बदलते परिदृश्य का सामना कर रहे हैं। उद्योग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का बढ़ता उपयोग, बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन में नरमी, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा और अंतरराष्ट्रीय थीम पार्कों में आगंतुकों की धीमी वृद्धि जैसी चुनौतियां कंपनी पर दबाव बना रही हैं। जानकारी के अनुसार, प्रस्तावित पुनर्गठन का असर सभी व्यवसायों पर समान रूप से नहीं पड़ेगा। कुछ इकाइयों में अन्य की तुलना में अधिक कर्मचारी कटौती की जा सकती है। हालांकि संभावित छंटनी की सटीक संख्या अभी तक सामने नहीं आई है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि लागत बचत से प्राप्त धनराशि का एक हिस्सा कंपनी की रणनीतिक विकास योजनाओं में लगाया जाएगा। इनमें फिल्म और टेलीविजन कंटेंट निर्माण, तकनीकी विकास, थीम पार्क संचालन तथा डिज्नी के तेजी से विस्तार कर रहे क्रूज व्यवसाय में निवेश शामिल है। डिज्नी ने इस विषय पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

सीटीआई ने भैया दूज तक रैलियों और प्रदर्शनों पर रोक लगाने की मांग की, एक महीने में 14,000 करोड़ के नुकसान का किया दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। चौंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने मंगलवार को दिल्ली पुलिस कमिश्नर को एक पत्र लिखकर मांग की है कि 11 नवंबर को भैया दूज तक दिल्ली में विशेषकर कनॉट प्लेस, जंतर मंतर, रामलीला मैदान, इंडिया गेट, राजघाट, दिल्ली गेट सहित सेंट्रल दिल्ली और पुरानी दिल्ली में किसी भी रैली, धरना प्रदर्शन, प्रोटेस्ट मार्च की अनुमति न दी जाए। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि रैलियों और धरनों की वजह से व्यापारियों को पहले ही काफी आर्थिक नुकसान हो चुका है। अब वे और अधिक व्यवधान झेलने की स्थिति में नहीं हैं खासकर त्योहारों की खरीदारी के इस पीक सीजन में। सीटीआई के मुताबिक, 1 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच दिल्ली में व्यवसायों को लगभग 14,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। सीटीआई का दावा है



कि अक्टूबर के पूरे महीने जंतर–मंतर, कनॉट प्लेस, पटेल चौक और जनपथ पर लगातार प्रदर्शन और विरोध मार्च होने के कारण सेंट्रल दिल्ली में हमेशा ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रही। इसके परिणामस्वरूप कनॉट प्लेस, जनपथ, पालिका बाजार, खान मार्केट, करोलबाग, पहाड़गंज और कमला मार्केट में रिटेल व्यवसायों, होटलों, रेस्तरां और ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों को 1 अक्टूबर से 30 अक्टूबर के बीच लगभग 3,000 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। व्यापारी संगठन ने दावा किया कि 1 नवंबर को रामलीला मैदान में आयोजित मेगा रैली के कारण कई क्षेत्रों में लगभग 11,000 करोड़ रुपये का कारोबारी नुकसान हुआ। इसमें से खुदरा और थोक व्यापार क्षेत्र को लगभग 8,800 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। सीटीआई ने बताया कि रामलीला मैदान के पांच किलोमीटर के दायरे में लगभग तीन लाख दुकानें हैं। इनमें कश्मीरी गेट, मोरी गेट, चांदनी चौक, चावड़ी बाजार, खारी बावली, नया बाजार, सदर बाजार, अजमेरी गेट, दरियागंज, पहाड़गंज, कमला मार्केट, जामा मस्जिद, भागीरथ पैलेस, लाजपत राय मार्केट, किनारी बाजार, दरीबा कलां, बल्लीमारान, फतेहपुरी, तिलक बाजार, कनॉट प्लेस, पालिका बाजार, गफ्फार मार्केट और करोल बाग जैसे प्रमुख व्यावसायिक केंद्र शामिल हैं। संगठन ने दावा किया कि रैली वाले दिन लगभग 2.5 लाख दुकानें पूरी तरह से बंद रहीं, जिससे करीब 80 प्रतिशत व्यावसायिक गतिविधियां ठप हो गईं। संगठन के अनुसार, यह रैली साल के सबसे व्यस्त खरीदारी वाले समय में हुई, ठीक धनतेरस (6 नवंबर) और दिवाली (8 नवंबर) से पहले। संगठन ने यह भी दावा किया कि इस रैली के कारण लगभग 3–4 लाख ग्राहकों के बीच घबराहट फैल गई। ये ग्राहक नियमित रूप से दिल्ली के बाजारों में आते हैं और सोनीपत, पानीपत, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद, नोएडा, मेरठ, बहादुरगढ़ और झज्जर जैसे आसपास के करीब 100 शहरों और कस्बों से आते हैं।

शेयर बाजारों में तेजी, सेंसेक्स 818 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और विदेशी पूंजी के प्रवाह के बीच मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी जारी रही। बीएसई सेंसेक्स 818.53 अंक उछलकर 76,511.31 अंक पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई निफ्टी 212.35 अंक चढ़कर 23,655.70 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से इंटरग्लोब एविएशन, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर और इन्फोसिस के शेयर सबसे अधिक बढ़त में रहे। वहीं, सन फार्मा, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी और पावर ग्रिड के शेयर में गिरावट दर्ज की गई। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का एसएसई कम्पोजिट गिरावट में कारोबार कर रहे हैं जबकि हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में रहा।

धनतेरस से पहले कीमती धातुओं पर दबाव! सोना 1 प्रतिशत फिसला, चांदी 5,600 रुपए तक टूटी

नई दिल्ली, एजेंसी। धनतेरस और दिवाली से पहले सोने–चांदी की कीमतों में उतार–चढ़ाव का सिलसिला जारी है। सोमवार को आई मामूली रिकवरी ज्यादा देर टिक नहीं पाई और मंगलवार को घरेलू व अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में कीमती धातुओं पर फिर दबाव देखने को मिला। एमसीएक्स पर सोने और चांदी की कीमतों में 1 प्रतिशत से ज्यादा तक की गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सख्त रुख, ब्याज दरों के लंबे समय तक ऊंचे बने रहने की संभावना और मजबूत रुपए के चलते सोना–चांदी की कीमतों पर दबाव देखने को मिली। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स में मंगलवार को सोना और चांदी दोनों गिरावट के साथ कारोबार करते दिखाई दिए। सोना करीब 1.05 प्रतिशत टूटकर 3,928 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, तो वहीं चांदी 3.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59.25 डॉलर



प्रति औंस पर कारोबार करती दिखाई दी। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी मिड–टर्म चुनावों से पहले निवेशक सतर्क हैं और फिलहाल बाजार में जोखिम लेने की इच्छा सीमित बनी हुई है। यही वजह है कि सोमवार की रिकवरी के बाद भी भारी खरीदारी देखने को नहीं मिली। अंतरराष्ट्रीय कमजोरी का असर भारतीय बाजार पर भी साफ दिखाई दिया। घरेलू बाजार में सोना करीब 1 प्रतिशत गिरकर 1.39 लाख प्रति 10 ग्राम के नीचे आ गया, जबकि चांदी का भाव करीब 3 प्रतिशत फिसलकर 1.78 लाख प्रति किलोग्राम के करीब आ गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना अपने पिछले बंद भाव 1,40,186 रुपए से 766 रुपए या 0.54 प्रतिशत गिरकर 1,39,420 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला, जबकि दिन के कारोबार में एक समय यह 1,508 रुपए यानी 1.07 प्रतिशत गिरकर 1,38,678 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के निचले स्तर पर आ गया। वहीं, दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी अपने पिछले बंद 1,83,779 रुपए से 892 रुपए या 0.48 प्रतिशत फिसलकर 1,82,887 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुली, वहीं दिन के कारोबार में एक समय यह 5,667 रुपए यानी 3.08 प्रतिशत टूटकर 1,78,112 रुपए प्रति किलोग्राम के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया।

2027 तक मिलेंगे 14 ए321 एक्सएलआर विमान

नयी दिल्ली, एजेंसी। इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विली वॉल्मा ने मंगलवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय परिचालन का विस्तार करने की कोशिश कर रही विमानन कंपनी को बेड़े में दिसंबर 2027 के अंत तक कुल 14 संकरे ए321 एक्सएलआर विमान शामिल होने की उम्मीद है। फिलहाल कंपनी के बेड़े में ऐसे चार विमान हैं और इस साल के अंत तक एक और विमान शामिल किया जाएगा। इन विमानों की उड़ान क्षमता अधिक है, जिससे एयरलाइन को विदेशों में और अधिक गंतव्यों को जोड़ने में मदद मिलेगी। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एविएशन इंडिया एंड साउथ एशिया 2026 में वॉल्मा ने कहा कि विमानन कंपनी का ध्यान कम दूरी की उड़ानों पर ही बना रहेगा और उसकी लागत का आधार बेहद कुशल है।

अंबुजा सीमेंट्स क्षमता में 30 एमटीपीए का करेगा विस्तार, 14,500 करोड़ रुपए होंगे खर्च

अहमदाबाद, एजेंसी। अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड ने कहा कि उसने विस्तार के अगले चरण की योजना तैयार कर ली है। इसके तहत नए ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड प्रोजेक्ट्स के जरिए प्रमुख बाजारों में सीमेंट उत्पादन क्षमता 30 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) बढ़ाई जाएगी। इसके लिए करीब 14,500 करोड़ रुपए का कुल ग्रोथ कैपेक्स कार्यक्रम प्रस्तावित है। अदाणी पोर्टफोलियो का हिस्सा और भारत की प्रमुख बिल्डिंग मटेरियल सॉल्यूशन कंपनियों में से एक अंबुजा सीमेंट्स ने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत पूर्वी, पश्चिमी और उत्तरी भारत के तेजी से बढ़ते बाजारों में अपनी मैन्युफैक्चरिंग नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा। कंपनी के पास फिलहाल देशभर में 24 इंटीग्रेटेड प्लांट और 24 ग्राइंडिंग यूनिट के जरिए 113.5 एमटीपीए की सीमेंट उत्पादन क्षमता है। अदाणी ग्रुप के सीमेंट कारोबार के सीईओ विनोद बहेटी ने कहा, हमारे विस्तार का अगला चरण विकास की गुणवत्ता और अधिक संतुलित मैन्युफैक्चरिंग नेटवर्क तैयार करने पर केंद्रित है। क्लिंकर और ग्राइंडिंग क्षमता के बीच तालमेल मजबूत करने और तेजी से बढ़ते प्रमुख बाजारों के करीब विस्तार करने से हम अपने नेटवर्क में अधिक लचीलापन ला रहे हैं।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक विजय दुबे द्वारा 62, पार्वती नगर, पाण्डेयपुर, वाराणसी से प्रकाशित व काशी प्रिंटर्स, मिन्ट हाउस, वाराणसी से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

फोन : 91 8787220970
91 9839666352

आर.एन.आई.रू UPHIN/2008/32231

डाक पंजीयन : जी–2/ न्यूज पेपर/59/2004.

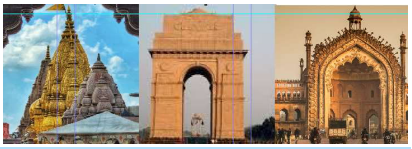
E-mail: lokhastakshep@gmail.com

संपादक: विजय दुबे

कार्यकारी संपादक: दीप्ती दुबे '

संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी



नकली 20 रुपये के सिक्के बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस और उत्तर प्रदेश पुलिस ने नकली सिक्के बनाने और उनकी आपूर्ति करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य सरगना समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 20 रुपये के 6,400 नकली सिक्के बरामद किए गए हैं जिनकी कीमत 1.28 लाख रुपये बताई गई है। इसके अलावा करीब पांच लाख रुपये मूल्य के अधबने सिक्के और नकली सिक्के तैयार करने में इस्तेमाल होने वाली भारी मशीनें भी जब्त की गई हैं। जांच में सामने आया है कि गिरोह का नेटवर्क दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड तक फैला हुआ था। गिरोह के सदस्य नकली सिक्के तैयार कर उन्हें बाजार में खपाने का काम करते थे। पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश के सहारनपुर पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि



कुछ लोग किसी बड़े स्थान की तलाश कर रहे हैं, जहां कारखाना स्थापित किया जा सके। बताया जा रहा था कि इस कारखाने में औजार बनाए जाने हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की और सहारनपुर के उपकार लूथरा व हिमांशु तथा मुजफ्फरनगर के कुलदीप को हिरासत में लिया। इनसे पूछताछ के आधार पर पुलिस ने उसी दिन बिहार के मधुबनी निवासी संतोष चौरसिया और उत्तर प्रदेश के संत रविदास नगर निवासी अनुराग पाल उर्फ लंकेश को भी पकड़ा। आरोपियों से पूछताछ में नकली सिक्के बनाने और उनकी आपूर्ति करने वाले संगठित गिरोह का खुलासा हुआ। जांच में पता चला कि गिरोह का नेटवर्क हरियाणा के सोनीपत से संचालित किया जा रहा था। हालांकि, दिल्ली पुलिस द्वारा गिरोह के एक साथी को गिरफ्तार किए जाने के बाद आरोपी सहारनपुर में नया ठिकाना तलाश रहे थे, ताकि वहां नकली सिक्के बनाने का कारखाना स्थापित किया जा सके।इस मामले में दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा को सूचना मिली थी कि 8 सितंबर को एक व्यक्ति मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास नकली सिक्कों की खेप पहुंचाने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस ने वहां निगरानी बढ़ाई और पारस जैन को गिरफ्तार कर लिया।

नेपाल में लैंडिंग के दौरान 2 हेलीकॉप्टर टकराए

काठमाण्डु, एजेंसी। नेपाल में आज सुबह बड़ा हादसा हो गया है। सोलुखुम्बु हेलीपैड पर उतरते समय 2 हेलीकॉप्टरों के बीच टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि लैंडिंग के दौरान दोनों हेलीकॉप्टरें आपस में टकरा गए। इस घटना में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई है, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हुआ है। पुलिस के मुताबिक, घायल व्यक्ति को इलाज के लिए एक अन्य हेलीकॉप्टर के जरिए लुकला ले जाया गया है। वहीं, मृतक की पहचान अभी नहीं हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, जिला पुलिस कार्यालय ने बताया कि ये हेलीकॉप्टर श्एयर डायनेस्टीश और श्फिशटेल एयरश द्वारा संचालित किए जा रहे थे। सुबह करीब 8:11 बजे दोनों एक दूसरे से टकरा गए।

अमेरिका का ईरान के केश्म द्वीप पर हमला

पांच जोरदार धमाकों से मची हलचल

तेहरान/वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान के दक्षिणी तट पर स्थित केश्म द्वीप और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास ईरानी ठिकानों पर हमला किया है। सोमवार देर रात केश्म द्वीप पर कम से कम पांच जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं। इसके अलावा पास के बंदर लेंगेह शहर में भी विस्फोट होने की खबर है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिकी सेना ने ये हमले गुप्त रूप से किए। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिका में मंगलवार को मध्यावधि चुनाव के लिए मतदान हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार देर रात केश्म द्वीप पर एक के बाद एक कई विस्फोट हुए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट ईरान के दक्षिणी तट पर स्थित द्वीप के ऊपर दो विमानों को उड़ते हुए देखा था। वहीं, बंदरगाह शहर बंदर लेंगेह में भी धमाकों की आवाजें सुनी गईं। अमेरिकी



अधिकारियों के हवाले से आई खबरों में इन हमलों के पीछे अमेरिकी सेना का हाथ बताया गया है। अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी ठिकानों पर किए गए हमले रक्षात्मक प्रकृति के थे। इनका उद्देश्य इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों पर हमला करने की ईरान की क्षमता को सीमित करना था। अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी संपत्तियों के खिलाफ सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों का इस्तेमाल करने वाले ईरानी ठिकानों को निशाना बनाया गया।

त्रिपुरा में बीएसएफ जवानों पर तस्करों का हमला

अगरतला, एजेंसी। त्रिपुरा के आशाबाड़ी इलाके में सोमवार सुबह अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास तस्करों के एक समूह ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों पर हमला कर दिया। इस घटना में तीन जवान घायल हो गए। आरोप है कि हमलावरों ने जवानों के हथियार छीनने की कोशिश की और मौके पर मौजूद एक सरकारी वाहन में भी तोड़फोड़ की। पुलिस ने मामले में तीन महिलाओं समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिसकर्मियों के प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाले एसीपी मनस्वी वशिष्ठ निलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) मनस्वी वशिष्ठ को गृह मंत्रालय ने निलंबित कर दिया है। उन पर यह कार्रवाई दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर पुलिसकर्मियों के विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने के मामले में की गई है। हालांकि, उनके निलंबन को लेकर अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वशिष्ठ ने 2 नवंबर को दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर करीब 100 से 150 पुलिसकर्मियों के साथ प्रदर्शन किया था। इस दौरान उन्होंने पुलिसकर्मियों की मांगों को लेकर जोरदार भाषण भी दिया था। पूरा विवाद 23 अक्टूबर को दिल्ली के शाहदरा थाने में शुरू हुआ था। यहां पुलिसकर्मियों और कड़कड़डूमा अदालत के वकीलों के बीच झड़प हो गई थी। इस दौरान आरोप लगाया गया था कि वकील ललित बंसल के सिर में चोट आई है। वकीलों ने एसीपी मनस्वी वशिष्ठ पर रिवॉल्वर दिखाकर धमकी देने का भी आरोप लगाया था। इस घटना के विरोध में वकीलों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी थी। विवाद बढ़ने के बाद 28 अक्टूबर को मनस्वी वशिष्ठ को गांधी नगर के उपमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) के पद से हटाकर विशेष पुलिस इकाई महिला एवं बाल सुरक्षा (एसपीयूडब्ल्यूएसी) में भेज दिया गया था। इस प्रशासनिक कार्रवाई के बाद पुलिसकर्मियों के बीच नाराजगी सामने आई। 2 नवंबर को हुए प्रदर्शन में करीब 100 से 150 पुलिसकर्मी शामिल हुए थे।

महिला-महाविद्यालय में युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश

बहराइच,संवाददाता। महिला महाविद्यालय में 4 नवंबर को युवा विकसित भारत अभियान के तहत युवा संवाद और मतदाता जागरूकता कार्यक्रम हुआ। इसका आयोजन प्राचार्या प्रो. प्रिया मुखर्जी के निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और वक्ता जिला युवा अधिकारी मनीष चौधरी ने छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने नशामुक्त भारत बनाने में युवाओं की भूमिका, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी पर बात की। उन्होंने युवाओं से सकारात्मक सोच अपनाने, नशे से दूर रहने और अपनी ऊर्जा रचनात्मक व राष्ट्रहित के कामों में लगाने को कहा। उन्होंने



छात्राओं के सवालों के जवाब भी दिए। किसान डिग्री कॉलेज के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज पांडेय ने लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक रहने और मतदान में सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया। डॉ. रीमा शुक्ला ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान–2027 के तहत 18 से 19 वर्ष के युवाओं का मतदाता सूची में शत–प्रतिशत पंजीकरण कराने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. रीमा शुक्ला ने किया।

संचालन में डॉ. ज्योति त्रिपाठी, डॉ. आकांक्षा पटेल और डॉ. अमृता मिश्रा ने सहयोग किया। इस दौरान डॉ. अंकिता सिंह, डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव, डॉ. दया कुमारी, डॉ. सीमा यादव सहित अन्य शिक्षिकाएं मौजूद रहीं। छात्राओं ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

